

एक मृतप्राय भ्रम के विरुद्ध मिशनरी पत्रकारिता का पुनरुत्थान

पत्रकारिता लोकतंत्र का वह चौथा स्तंभ नहीं, जिसे संविधान ने अधिकार दिया हो; यह तो जन-साधारण द्वारा हमारे मिशनरी योगदान को दिया गया वह सुरक्षा कवच है, जिसे हम अपनी शालीनता और चाटुकारिता की भेंट चढ़ा बैठे।

पत्रकारिता लोकतंत्र का वह आईना है, जिसमें समाज अपना चेहरा नहीं, अपना भविष्य देखता है

आज, जब हम 'TNF Today' के इस प्रथम अंक के साथ जनता के सम्मुख खड़े हैं, तो हमारे कानों में वे तलख टिप्पणियाँ गूँज रही हैं, अखबार कौन पढ़ता है? डिजिटल का जमाना है, अखबार तो सफेद हाथी है, 2030 तक सब बंद हो जाएंगे। यहाँ तक कि प्रतिष्ठित मीडिया घरानों के संचालकों ने भी पत्रकारिता के अंत की भविष्यवाणी कर दी है। लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि ये टिप्पणियाँ हमें चुभनी नहीं, इन्होंने हमें पत्रकारिता की उस जर्जर वास्तविकता का बोध कराया, जिसके कारण हम प्रचलन से बाहर हो गए।

अस्तित्व का संकट या दर्द की विफलता?

हमने दशकों तक अपने दर्द में कोई बदलाव नहीं किया। आज के दौर में कोपिड फोन की तरह, हमारी पत्रकारिता भी अपनी प्रासंगिकता खोने लगी थी। यह पत्रकारिता का अंत नहीं है, बल्कि उस पुरानी, बिकाऊ और चाटुकारिता वाली मानसिकता का अंत है। जब पत्रकारिता सिस्टम और सरकार के इशारों पर चलने लगे, जब वह बाँस होने के बजाय सत्ता की नौकर बन जाए, तो समाज का अखबारों से मोहभंग होना स्वाभाविक था। आज जब लोग कहते हैं कि अखबार हमारे किस काम के?, तो यह हमारे लिए तिरस्कार नहीं, बल्कि हमारे प्रति समाज की वह पीड़ा है, जो यह उम्मीद करती थी कि हम उनके रक्षक बनेंगे, लेकिन हम उनकी कन्न खोदने वालों के साथ जा बैठे।

एक दैवीय अधिष्ठान और फौलादी इरादे

जब लोगों ने कहा कि अखबार शुरू कर ब्लैकमेलिंग करोगे, उगाली करोगे, तो इन वाक्यों ने हमारे संकल्प को फौलादी बना दिया। हमने तय किया कि हम उस पत्रकारिता को पुनर्जीवित करेंगे जो

विज्ञानों की बैसाखियों पर नहीं, बल्कि समाज के विश्वास पर टिकी हो। यह दैवीय प्रेरणा और ईश्वरीय अधिष्ठान है कि आज हम 'TNF Today' लेकर आए हैं। हम थॉट्स (विचार), न्यूज (समाचार) और फैक्ट्स (तथ्य) के त्रिकोण पर खड़े होकर, उन सिद्धांतों को वापस ला रहे हैं, जो कभी पत्रकारिता को पूज्य स्थान दिलाते थे।

हमारा मिशन: विज्ञान-निर्भरता से मुक्ति

हम 'TNF Today' को व्यापार नहीं, एक महायज्ञ बना रहे हैं। विज्ञानों की निर्भरता से मुक्त यह पत्रकारिता हमारी आस्था का केंद्र होगी। हमारी खबरों का आधार शोध (Research) और ठोस आंकड़े होंगे, न कि किसी की चाटुकारिता। हम जानते हैं कि यह राह कठिन है, लेकिन हम रुकेंगे नहीं। हम तब तक छापते रहेंगे, जब तक हर घर में 'TNF Today' केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि आस्था और सम्मान का प्रतीक न बन जाए।

आज से एक नई यात्रा

आज हम 'TNF Today' का आधिकारिक ट्रायल एडिशन शुरू कर रहे हैं। यह अगले तीन महीनों तक अनवरत चलेगा। इस दौरान हम 08 मुख्य कमेंटारियों और 19 शोध कमेंटारियों के माध्यम से देश-दुनिया के प्रबुद्ध जनों, समाज के हर वर्ग और क्षेत्र के विशेषज्ञों को जोड़ेंगे। यह केवल एक ट्रायल नहीं, बल्कि एक व्यापक वैचारिक मंथन है। इन तीन महीनों के मंथन, निष्कर्ष और निचोड़ के बाद ही 'TNF Today' अपने पूर्ण और आदर्श स्वरूप में आपके हाथों में होगा। हमारा लक्ष्य इसे केवल एक अखबार नहीं, बल्कि समाज का वह आइना बनाना है, जिसमें राष्ट्र अपना गौरव देख सके। अगले तीन महीने केवल खबरों का संकलन नहीं, बल्कि एक वैचारिक मंथन

होगा। हम सीखेंगे, आप सुझाव देंगे, और हम परिपक्व होंगे। हम उन तीनों स्तंभों (कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका) पर निष्पक्षता से निगरानी रखेंगे, क्योंकि हमने अपनी खोई हुई साख को वापस पाना है। हम डरेंगे नहीं, हम बिकेंगे नहीं, और हम झुकेंगे नहीं। हम छपेंगे-सत्य, तथ्य और समाज की वह आवाज, जिसे आज तक दबाया गया।

TNF Today का अभिनव संकल्प: ज्ञान-सेतु

'TNF Today' ने निर्णय लिया है कि हम केवल राजनैतिक हलचल और शोर-शराबे की पत्रकारिता नहीं करेंगे। हमारा संकल्प है- ज्ञान-सेतु (The Knowledge Bridge) का निर्माण। हम विश्वविद्यालयों की अकादमिक प्रयोगशालाओं और आम आदमी की चौपाल के बीच एक जीवंत कड़ी बनेंगे। हम शोध-प्रबंधों को, शिक्षकों की मेहनत को और छात्रों के स्टार्टअप नवाचारों को मुख्यधारा की चर्चा का हिस्सा बनाएंगे। जटिल अकादमिक अनुसंधानों को सरल हिंदी में प्रस्तुत कर, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत का बौद्धिक विकास घर-घर तक पहुँचे।

आज 'TNF Today' अपने साथ उच्च शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र के अनुभवी मार्गदर्शक श्री नृपेन भट्ट जी को जोड़कर इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। हमारा यह मंच उन शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का घर होगा जो भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान की नई इबारत लिख रहे हैं। हम शिक्षा को केवल डिग्री और रोजगार के चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में देख रहे हैं। यह केवल एक समाचार पत्र की शुरुआत की उद्घोषणा नहीं, बल्कि भारतीय अकादमिक जगत के लिए एक नया पब्लिक फोरम है। हम पत्रकारिता की उस मर्यादा को फिर से ला रहे हैं, जहाँ अखबार ज्ञान का मंदिर हुआ करते थे।



धीरज शर्मा
संस्थापक/ निदेशक/ प्रधान संपादक,
TNF Today मीडिया नेटवर्क

आध्यात्म, लोक संस्कृति और परंपराओं का शहर आगरा



आदर्श नंदन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार

आगरा उत्तर प्रदेश के मुख्य शहरों में से एक है और यमुना नदी के तट पर स्थित है। भारतीय इतिहास में इसका विशिष्ट स्थान है। यहाँ विश्वदाय व एतिहासिक इमारतें हैं। आगरा उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। ताजमहल आगरा की विशेष पहचान है, जो यमुना नदी के किनारे स्थित है। उत्तर प्रदेश सहित आगरा सम्पूर्ण भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इतिहास में आगरा का विशेष उल्लेख महाभारत के समय से होता आ रहा है। जब इसे 'अग्रवन' के नाम से संबोधित किया जाता था। बाद में आगरा के नाम से जाना

जाने लगा। आगरा शहर चर्म उद्योग, हस्तशिल्प, जर्दोजी, नक्काशी आदि के लिए प्रसिद्ध है। आगरा का पेठा-दालमोंठ काफी प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक स्मारक और भवन आगरा के मुख्य आकर्षण हैं। इसके अलावा मुगलकालीन स्मारक और इमारतें हैं। शहर के मध्य जामा मस्जिद है, वहीं वजीरपुरा रोड पर सेंट पीटर्स चर्च (निष्कलंक माता का महागिरजाघर) है। आगरा-मथुरा रोड पर विशाल गुरुद्वारा है। हमारा शहर शिव नगरी भी कहलाता है। राधास्वामी मत का स्वामी बाग भी देसी-विदेशी दर्शकों के लिए दर्शनीय है। सूर सरोवर पक्षी अभ्यारण्य में प्रवासी पक्षी बड़ी संख्या में आते हैं।



सूर, नजीर की इस धरती पर राम बरात और कैलाश मेले और बहुत सारे पारंपरिक उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, इन सभी संस्कृतियों की सुंदरता सभी का मनमोह लेती है। आगरा में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के आगरा घराना का विकास हुआ।

यह शहर सदियों से कला, वास्तुकला, संगीत, साहित्य, शिल्प के लिए अपने शासकों, विशेष रूप से मुगलों द्वारा पोषित किया गया है। आगरा में विविध प्रकार के रीति रिवाज, खान पान और जीवनशैली देखने को मिलती है। इसी संस्कृति से प्रभावित होकर हजारों पर्यटक यहाँ खिंचे चले आते हैं। आगरा में प्रमुख हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई, धर्म, सिख धर्म

और बौद्ध धर्म है। आगरा में सबसे अधिक हिन्दी व ब्रज भाषा बोली जाती है। इस सांस्कृतिक शहर में लोक संस्कृति कला के समागम के रूप में शिल्पग्राम में ताज महोत्सव का आयोजन दस दिनों तक किया जाता है, जिसमें शास्त्रीय संगीत और नृत्य के ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं। रामलीला और राम बरात तो हर साल उन्नति कर रही है, लेकिन तैराकी मेला सिमट गया है। आगरा में होने वाले मेलों का उद्देश्य अपनी संस्कृति के बारे में आने वाली पीढ़ी को अवगत करवाना तथा अपनी संस्कृति को बचाए रखने का एक प्रयास है। इन मेलों में लोग एक-दूसरे से उत्साह से मिलते हैं और कुछ समय आनंद के साथ बिताते तक आपस में भाईचारा भी बढ़ते हैं। यह मेले समनव्य, शांति, सौहार्द के प्रतीक हैं।

रखरखाव के अभाव में बीमार स्वास्थ्य विभाग, खंडहर होती इमारतें

जहां कर्मचारी वहां बिल्डिंग नहीं, जहां बिल्डिंग वहां कर्मचारी नहीं, डॉक्टरों के अभाव में मरीजों को नहीं मिलता इलाज

मोहित शर्मा

फतेहाबाद। प्रदेश की योगी सरकार की मंशा है कि हर गरीब को सस्ता और निशुल्क इलाज मिले इसके लिए गांव स्तर पर उप स्वास्थ्य केंद्र और आरोग्य मंदिर खोले गए हैं लेकिन अधिकारी और कर्मचारियों की उदासीनता के चलते वह खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं। वहीं तहसील फतेहाबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुबरीठ में उप स्वास्थ्य केंद्र बना था तो ग्रामीणों को लगा कि अब तो बीमार होने पर दूर शहर में डॉक्टरों के पास नहीं जाना पड़ेगा। बनने के बाद से ही उप स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी नहीं पहुंचा और वह लंबे समय अंतराल में बिना रखरखाव के खंडहर में तब्दील हो गया। वहीं उसके बगल में कुछ वर्ष पूर्व ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण कराया गया है लेकिन कामोवेश स्थित वही है वहां भी अभी तक कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा है ताला लटका हुआ है जिसके कारण वह भी एक खंडहर होने के कगार पर पहुंच गया है। फनीचर खराब होने लगा है फर्श टूटने लगा है यदि कर्मचारी नहीं है तो जनता की गाड़ी कमाई आखिर ऐसे क्यों बंदरबांट की जा रही है। उप स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर बिल्डिंग और आयुष्मान आरोग्य मंदिर का ताला



कोई इंतजाम होता है ऐसे में जान जोखिम में डालकर प्रसूता बादशाही बाग स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाती हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि कस्बा फतेहाबाद में बनी पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर नई बिल्डिंग बनाकर उसमें प्रसव केंद्र संचालित किए जाएं तथा कर्मचारियों के आवास भी बनवाए जाएं जिससे उनकी उपलब्धता समय पर रह सके जिससे लोगों को रात्रि में बिना वाहन के पैदल बादशाही बाग तक का सफर तय ना करना पड़े।

ग्राम पंचायत गुबरीठ के ग्रामीणों का कहना है कि गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर होने के बावजूद भी ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 10 से 12 किलोमीटर दूर कस्बे में जाना पड़ता है वहीं ग्रामीणों की मांग है कि एक तरफ सूबे की योगी आदित्यनाथ सरकार करोड़ों रूपए खर्च करके लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के दावे करती है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते ग्राम पंचायत गुबरीठ का उप स्वास्थ्य केंद्र का रख रखाव न होने के कारण खंडहर पड़ा हुआ है और आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर बनने के बाद से ही ताला लटका हुआ है। ग्रामीणों की मांग है कि उच्च अधिकारियों को जल्दी संज्ञान लेकर समस्या का समाधान कराया जाए।

गुबरीठ में खंडहर उप स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर ताला लटके होने का मामला संज्ञान में आया है पूरे मामले की जांच करारक शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
- स्वाति शर्मा, उपजिलाधिकारी फतेहाबाद

अपनी ग्राम पंचायत गुबरीठ के उप स्वास्थ्य केंद्र का रख रखाव न होने से खंडहर होने और वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर बनने के बाद से ताला न होने को लेकर कई बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।
- शैतान सिंह गुर्जर, प्रधान ग्राम पंचायत, गुबरीठ

गांव में सरकार ने उप स्वास्थ्य केंद्र बनाया था तो उम्मीद थी कि अब हमें गांव में ही बेहतर इलाज मिलेगा लेकिन रखरखाव न होने के कारण वह खंडहर में तब्दील हो चुका है। वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर भी बनने के बाद से ही ताला लटका हुआ है।
- सुम्भेर सिंह, ग्रामीण

गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बना हुआ है लेकिन बनने के बाद से ही ताला लटका हुआ है। वहीं उप स्वास्थ्य केंद्र भी बना था लेकिन वह रखा रखाव न होने के कारण खंडहर में तब्दील हो चुका है बच्चों दवा दिलाए और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए कई किलोमीटर दूर कस्बे की ओर रुख करना पड़ता है।
- लक्ष्मीकांत पाराशर, ग्रामीण

गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर तो बना हुआ है लेकिन बनने के बाद से ही कोई स्वास्थ्य अधिकारी पहुंचा और न ही उसका ताला खुला, उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का ताला खुलवाकर चालू कराया जाए। जिससे ग्रामीणों को बीमारी के दौरान स्वास्थ्य लाभ गांव में ही मिल सके।
- अरविंद शर्मा, ग्रामीण

उप स्वास्थ्य केंद्र गुबरीठ जो कि खंडहर पड़ा है उसको लेकर शासन को इस्टीमेट बनाकर भेजा जाएगा। वहीं आयुष्मान आरोग्य मंदिर को लेकर कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास सीएचओ के पद खाली पड़े हैं उनको जल्दी ही भरकर सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर यथावत तैनाती कराई जाएगी।
अरुण कुमार श्रीवास्तव मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आगरा

ना खुलने को लेकर ग्राम प्रधान गुबरीठ शैतान सिंह के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया है और कई बार आश्वासन भी मिले हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। जहां

विकासखंड फतेहाबाद के धिमिथ्री, प्रतापपुर, गुबरीठ, नागर, रिहावली, सारंगपुर में आरोग्य मंदिर बने हुए हैं लेकिन वहां पर किसी भी स्वास्थ्य कर्मचारी सीएचओ की नियुक्ति नहीं की गई है, जिसकी वजह से बनी बिल्डिंग

जर्जर हो रही है वहीं लालपुरा, मोहम्मदपुर, सांक्रुी खुर्द में आरोग्य मंदिर नहीं बने हैं लेकिन वहां सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी) की नियुक्ति की गई है जो कि राए के कर्म से स्वास्थ्य सेवाएं चला रहे हैं। जहां

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद पर 12 से 15 डॉक्टर होने चाहिए लेकिन वर्तमान में अधीक्षक सहित तीन ही डॉक्टर उपलब्ध हैं। जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रतिदिन ढाई से लेकर 300 मरीज आते हैं जिसमें 100

के करीब महिलाएं होती है ऐसे में उनका इलाज कैसे संभव है जब उस बीमारी का डॉक्टर ही नहीं होगा तो इलाज कैसे होगा जहां कस्बा फतेहाबाद में पूर्व में सरकारी अस्पताल संचालित होता था लेकिन वह बादशाही बाग स्थित तहसील

परिसर में स्थानांतरित हो गया तथा कस्बे की बिल्डिंग भी कन्डम हो गई जिसके चलते प्रसूताओं को 2 से 3 किलोमीटर चलकर बादशाही बाग जाना पड़ता है जबकि रात के समय में ना तो वाहन मिलते हैं और ना ही सुरक्षा की दृष्टि से

ई-रजिस्ट्री के विरोध में कलमबंद हड़ताल

खेरागढ़। तहसील परिसर में शुक्रवार को ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, टाइपिस्टों, स्टाम्प विक्रेताओं एवं रजिस्ट्री कार्य से जुड़े लोगों ने एक दिवसीय धरना दिया।

इस दौरान वकीलों ने न्यायिक कार्यों से विरत रहकर कलमबंद हड़ताल की जिससे न्यायिक कार्य पूरी तरह ठप रहा। वहीं टाइपिस्टों एवं स्टाम्प विक्रेताओं के कार्य बंद रहने से वादकारियों तथा तहसील में विभिन्न कार्यों से पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और वे दिनभर इधर-उधर भटकते रहे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिओम सिंह सिकंदर ने बताया कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, टाइपिस्टों एवं स्टाम्प विक्रेताओं की आजीविका पर संकट उत्पन्न हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आंदोलन प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के आह्वान पर किया जा रहा है और प्रदेश से निर्देश मिलने पर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

कांगरौल-तांतपुर को बस स्टैंड

जगनेर को इंतजार! आखिर भेदभाव क्यों?

राकेश शर्मा

जगनेर। विकास के दायों और योजनाओं के बीच जगनेर का बस स्टैंड आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। वर्षों से जर्जर पड़ा बस स्टैंड पूरी तरह बंद है, जिसके चलते यात्रियों को खुले आसमान के नीचे सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। भीषण गर्मी हो, बरसात हो या सर्दी, यात्रियों के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। हालात इतने खराब हैं कि कोई भी बस, बस स्टैंड के अंदर तो क्या उसके आस-पास भी नहीं जाती, बीच सड़क से ही सवारियां भरकर निकल जाती हैं। इससे बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड के पुनर्निर्माण और संचालन की मांग कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने रखी जा चुकी है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। धरताल पर कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। क्षेत्र के लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि

जगनेर के आसपास स्थित कांगरौल और तांतपुर जैसे क्षेत्रों में बस स्टैंडों का निर्माण और सुधार कार्य हो चुका है, लेकिन बीच में स्थित जगनेर को जैसे योजनाओं से बाहर कर दिया गया हो। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या जगनेर के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का अधिकार नहीं है? क्या यहां के हजारों यात्रियों की परेशानी किसी की प्राथमिकता नहीं है? स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बस स्टैंड बंद होने का असर बाजार की गतिविधियों पर भी पड़ा है। पहले जहां यात्रियों की आवाजाही से बाजार में रौनक रहती थी, वहीं अब बसों के सीधे सड़क से गुजरने के कारण स्थानीय व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

जनता में बढ़ रहा आक्रोश

जगनेर के लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो क्षेत्रीय स्तर पर बड़ा जनआंदोलन खड़ा हो सकता है। लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में जनता की मूलभूत समस्याओं को भुला दिया जाता है। इसी मुद्दे को लेकर सामाजिक संगठन सबजन सेवा समिति भी अब खुलकर

मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। समिति पदाधिकारियों का कहना है कि यदि जल्द बस स्टैंड के पुनर्निर्माण और संचालन को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। जिम्मेदारों से क्षेत्र की जनता के कुछ बड़े सवाल:

1. आखिर जगनेर बस स्टैंड कब तक बंद रहेगा?
 2. यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं कब मिलेंगी?
 3. कांगरौल और तांतपुर की तरह जगनेर को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई?
 4. क्या जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस समस्या का संज्ञान लेंगे?
- जगनेर की जनता वर्षों से बस स्टैंड की समस्या झेल रही है। भीषण गर्मी में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करने को मजबूर हैं। यह केवल एक बस स्टैंड का मुद्दा नहीं, बल्कि हजारों लोगों की सुविधा और सम्मान का सवाल है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो सबजन सेवा समिति जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेगी। राकेश शर्मा (अध्यक्ष, सबजन सेवा समिति)

जब आसपास के क्षेत्रों में नए बस स्टैंड बन सकते हैं तो जगनेर को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? जनता जवाब चाहती है। हम संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से मांग करते हैं कि तत्काल बस स्टैंड के पुनर्निर्माण की घोषणा की जाए।

केशव दीक्षित (उपाध्यक्ष, सबजन सेवा समिति)
यह केवल सुविधा का नहीं बल्कि सुरक्षा का भी मुद्दा है। सड़क किनारे खड़े होकर बस पकड़ना यात्रियों के लिए खतरों से खाली नहीं है। समिति गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और इस जनहित के मुद्दे को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाएगी।

अनिकेत परमार (संगठन मंत्री, सबजन सेवा समिति)
जगनेर की आवाज अब दबने वाली नहीं है। वर्षों से उपेक्षा का शिकार हो रहे बस स्टैंड को लेकर जनमत तैयार किया जाएगा। जनता की समस्या को हर मंच पर उठाया जाएगा ताकि जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जवाब देना पड़े।
सोनु शर्मा (प्रचार मंत्री, सबजन सेवा समिति)

मकान गणना एवं भवन सूचीकरण का कार्य लगभग पूरा

खेरागढ़। आगामी जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत तहसील खेरागढ़ में मकान गणना एवं भवन सूचीकरण का कार्य 98 प्रतिशत पूरा हो गया है। चार्ज ऑफिसर एवं तहसीलदार सतेंद्र कुमार ने बताया कि खेरागढ़, सैया और जगनेर ब्लॉक के 154 राजस्व गांवों में यह कार्य कराया गया। अभियान में 867 प्रणाल और 145 सुपरवाइजर लगाए गए थे। करीब 5 लाख की जनसंख्या तथा एक लाख मकानों का विवरण मात्र 22 दिनों में संकलित किया गया।

भीषण गर्मी के बावजूद शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी लगातार कार्य में जुटे रहे। 12 जून अभियान का अंतिम दिन था, तब तक 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका था। तहसीलदार ने बताया कि फरवरी 2027 से देशव्यापी जनगणना शुरू होगी, जिसके लिए आधारभूत आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। जनगणना के आंकड़े विकास योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक करती जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू भदौरिया।

महाराणा प्रताप प्रतिमा अनावरण के लिए किया जनसंपर्क

खेरागढ़। शमशाबाद नगर में चौदह जून रविवार को आयोजित होने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा अनावरण समारोह एवं किसान जवान महिला स्वाभिमान रैली के निमंत्रण तथा जनसंपर्क अभियान के तहत विधानसभा खेरागढ़ स्थित राघव मैरिज होम में नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठजनों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पहले जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू

भदौरिया का क्षेत्रीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर मंजू भदौरिया ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक वीर योद्धा ही नहीं बल्कि राष्ट्र स्वाभिमान, साहस और त्याग के अमर प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि शमशाबाद के ए. पी. इंटर कॉलेज में आयोजित होने वाला यह समारोह पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

समारोह में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन जाएगा।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने और महाराणा प्रताप के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आवास विकास ने एक मुश्त योजना में अपनाई दोहरी नीति

टीएनए टुडे

अगर सुधार नहीं हुआ तो उच्च न्यायालय जाने को मजबूर होंगे आवन्टी

आगरा। नगर विकास विभाग के तहत उत्तर प्रदेश आवास विकास विभाग द्वारा एकमुश्त भूदान योजना में आवंटियों के साथ खुली धोखाधड़ी व शोषण के संबंध में मुख्य मंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है कि जो घोषणा की गई थी उसके विपरीत काम हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि यदि उत्तर प्रदेश आवास विकास विभाग द्वारा इस मनमाने तरीके और 3 फीसदी की अतिरिक्त ब्याज बढ़ोतरी को तुरंत वापस नहीं लिया गया, और आईटीसी प्रक्रिया को पारदर्शी नहीं बनाया गया, तो पीडित आवंटी लाभबंद होकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने को विवश होंगे। सरकार की इस कथित धोखेबाजी का पर्दाफाश जनहित में सड़कों पर उतर कर किया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन और संबंधित अधिकारियों की होगी।

चेतावनी पूर्ण भाषाई पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग और आवास एवं विकास परिषद द्वारा घोषित एकमुश्त समाधान योजना में बड़ी धोखाधड़ी उजागर हुई है। यह

बाइक की टक्कर से पैदल राहगीर घायल

सैया। खेरागढ़-सैया मार्ग पर एक बाइक ने पैदल राहगीर में टक्कर मार दी जिससे राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव धाना, अयेला निवासी सतीश चन्द गुरुवार की शाम लगभग सात बजे पैदल घर जा रहा था कि तेज रफतार से आई बाइक ने टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक चालक बाइक को लेकर भाग गया। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस घायल को सी.एस.सी. सैया पर लाई जहां प्राथमिक उपचार देकर एस.एन. हॉस्पिटल आगरा रेफर कर दिया।

योजना आवंटियों के लिए राहत के बजाय आर्थिक शोषण का माध्यम बन गई है। प्रमुख अतिरिक्त एं जो बताई गई है उनमें ब्याज दरों में अवैध वृद्धि की गई है। विभाग ने आवंटन के समय के मूल ब्याज में चुपके से 3 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोतरी कर दी है, जिससे बकायेंदरों पर कर्ज का बोझ कई गुना बढ़ गया है। आईटीसी प्रक्रिया में धांधली बरती जा रही है। जब आवंटी विभाग से इन्वेस्टमेंट ट्रान्सफर सर्टिफिकेट पास करा रहे हैं, तो केवल 3 फीसदी का ही लाभ दिया जा रहा है। जमीनी हक्कीकत यह है कि गणना में हेराफेरी करके आवंटियों को आर्थिक रूप से पंगु बनाया जा रहा है। योजना में साधारण ब्याज माफ़ी का दावा किया गया था, लेकिन वास्तविकता में चक्रवृद्धि ब्याज और छिपे हुए शुल्कों के जाल में आवंटियों को फंसाया जा रहा है। पत्र पर बबीता सिंह, शंकर देव आदि के साथ अनिगत लोगों के दस्तखत हैं।



विश्व पर्यावरण सप्ताह के तहत स्वच्छता की शपथ लेते लोग।

फतेहाबाद बस स्टैंड में चला स्वच्छता अभियान

टीएनए टुडे

फतेहाबाद। आदर्श नगर पंचायत फतेहाबाद द्वारा भूमि फाउंडेशन के सहयोग से शुक्रवार को विश्व पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत नगर के बस स्टैंड परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान बस स्टैंड परिसर की व्यापक साफ-सफाई कराई गई तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

नगर पंचायत द्वारा पूरे सप्ताह पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को

लेकर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान नगरवासियों एवं जनप्रतिनिधियों को एमआरएफ यानी मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी तथा वेस्ट टू कंपोस्ट प्लांट की एक्सपोजर विजिट कराई गई जिससे उन्हें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और कचरे के प्रभावी निस्तारण की जानकारी प्राप्त हो सकी। इसके अलावा सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन, फोर बिन सेग्रिगेशन, होम कम्पोस्टिंग तथा स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए गए।

कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को

स्वच्छता अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष बबीता शल्या ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है और ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है। विश्व पर्यावरण सप्ताह के समापन पर नगर पंचायत ने भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर चलाने का संकल्प लिया।



नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी पत्र सौंपते वरिष्ठ पदाधिकारी।

भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की कार्यकारिणी घोषित

टीएनए टुडे

फतेहाबाद। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की एक बैठक शुक्रवार को फतेहाबाद में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती और किसान हितों की आवाज बुलंद करने पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष हर्ष शर्मा के नेतृत्व में संगठन का विस्तार करते हुए नई

जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यकारिणी में सतेंद्र शर्मा को जिला उपाध्यक्ष और हरिसिंह को तहसील अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा शांतिस्वरूप को तहसील उपाध्यक्ष, सुमित शर्मा को संगठन मंत्री, सुमित कौशिक को महामंत्री व कृष्णा को तहसील मंत्री बनाया गया। ब्लॉक स्तर पर झुलेंद्र शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष, किशोर उपाध्यक्ष व

विष्णू रावत मंत्री बने। ग्राम स्तर पर रमन शर्मा अध्यक्ष, कीरथराम प्रभारी, अशोक उपाध्यक्ष, रंजीत सचिव व दिनेश मंत्री नियुक्त हुए। इस दौरान राष्ट्रीय मुख्य सचिव श्रवण सिंह भदौरिया, जिला प्रभारी हरेन्द्र सिंह परिहार, दयाशंकर शर्मा, प्रभाकर यादव और बटू राठौड़ ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

तेज रफतार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दंपति घायल

फतेहाबाद। फतेहाबाद-फिरोजाबाद मार्ग पर शुक्रवार को शाम तेज रफतार कार ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे दंपति घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालपुरा निवासी राजकुमार पुत्र अशोक अपनी पत्नी चंदा देवी के साथ फिरोजाबाद की तरफ से बाइक से घर लौट रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। कार सवार गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

तेज आंधी पानी में पेड़ गिरने से दीवार धराशायी

शमशाबाद। ब्लॉक शमशाबाद क्षेत्र के जारोली में गुरुवार रात्रि में आई तेज आंधी पानी में पेड़ गिरने से दीवार धराशायी हो गई। जिसकी चपेट में आने से पास में बंधे किसान के पशु बाल-बाल बच गए। नेता गाँवद सैधिया ने बताया कि दीवार गांव के दबंग लोगों ने लगाई थी जो कि रात्रि में आए तेज रफतार आंधी-तूफान और बारिश में धराशायी हो गई है। इसकी चपेट में आने से पशु बाल-बाल बच गए हैं। उन्होंने सभी किसानों से आंधी, पानी और तूफान आने के समय अपने पशुओं को पेड़ों तथा जर्जर दीवारों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रखने की अपील की है।

आंधी से चार फीडर, बीस खंभे टूटे

टीएनए टुडे



विद्युत आपूर्ति बहाल करने के कार्य में जुटे बिजली विभाग के कर्मचारी।

पेड़ गिर जाने से बीस खंभे टूट गए जिससे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। उप खंड अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि 33/11 केवी के सैया, तेहरा, अयेला, लादूखेड़ा क्षेत्र में बीस खंभों पर पेड़ गिरने से वह टूट गए जिसके कारण सैया, तेहरा, जाजक, अयेला, लादूखेड़ा, सोरा, बीरई, ताहरपुर, नदीम, हिरोड, रजपुरा आदि दर्जनों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। लाइनों पर तीव्रता से पेट्रोलिंग कराकर टूटे खंभों को बदलकर दोपहर करीब तीन बजे विद्युत आपूर्ति चालू कर दी गई है।



दलालों के भरोसे व्यवस्था

आखिर कब बदलेगा आम आदमी का सिस्टम?

कृष्णा ठाकुर

देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार दावे किए जाते हैं। सरकारी मंचों से पारदर्शिता, सुशासन और डिजिटल सेवाओं की सफलता के किस्से सुनाए जाते हैं। कहा जाता है कि अब सरकारी योजनाएं और सेवाएं सीधे जनता तक पहुंच रही हैं। लेकिन जब आम नागरिक किसी सरकारी कार्यालय का दरवाजा खटखटाता है, तो अक्सर उसे हकीकत कुछ और ही दिखाई देती है। आज भी कई सरकारी दफ्तरों के बाहर दलालों का एक समानांतर तंत्र सक्रिय नजर आता है। आय, जाति, निवास, जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र हो, पेंशन का मामला हो या किसी अन्य सरकारी सेवा का आवेदन—कई बार आम व्यक्ति की फाइल महीनों तक अटक जाती है। वहीं दलालों के माध्यम से वही काम कुछ घंटों या दिनों में पूरा हो जाता है। सबसे पीड़ादायक स्थिति तब होती है जब किसी परिवार ने अपना प्रियजन खोया हो और शोक के बीच उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ें। दस्तावेज पूरे होने के बावजूद बार-बार अपत्तियां लगना और फाइलों का अटकना लोगों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या संवेदनशील सेवाएं भी अब कमाई का जरिया बन गई हैं।

सिस्टम मजबूत है तो दलाल क्यों मजबूत हैं?

यह सवाल वर्षों से जनता पूछ रही है। यदि प्रक्रियाएं पारदर्शी हैं, ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध हैं और अधिकारियों की जवाबदेही तय है, तो फिर हर कार्यालय के बाहर दलालों का नेटवर्क कैसे फल-फूल रहा है? आखिर आम नागरिक और दलाल के जरिए काम कराने वाले व्यक्ति के अनुभव में इतना बड़ा अंतर क्यों दिखाई देता है? असल समस्या सिर्फ रिश्त नहीं है। भ्रष्टाचार का एक चेहरा वह भी है जब किसी बुजुर्ग को घंटों लाइन में खड़ा रखा जाता है। जब एक विधवा महिला पेंशन के लिए महीनों भटकती है। जब एक मजदूर अपने दस्तावेज बनवाने के लिए रोज की मजदूरी छोड़कर सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर होता है।

टूटता भरोसा सबसे बड़ा संकट

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। लेकिन जब लोगों को यह महसूस होने लगे कि बिना सिफारिश, बिना पहचान या बिना पैसे के काम नहीं होगा, तब यह भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। यही स्थिति सबसे चिंताजनक है।

क्योंकि जब नागरिक व्यवस्था पर भरोसा खोने लगता है, तब केवल एक विभाग या कार्यालय नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ जाती है।

ईमानदार व्यवस्था को भी नुकसान

यह भी सच है कि सरकारी तंत्र में बड़ी संख्या में ऐसे अधिकारी और कर्मचारी मौजूद हैं जो पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जनता की सेवा कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोगों की कार्यशैली पूरे सिस्टम की छवि को नुकसान पहुंचा देती है। परिणाम यह होता है कि जनता की नाराजगी पूरे तंत्र के प्रति दिखाई देने लगती है।



अब माषण नहीं, बदलाव चाहिए

समय की मांग है कि भ्रष्टाचार और दलाली के खिलाफ केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई दिखाई दे। दलालों की भूमिका खत्म हो, शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो, अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और नागरिकों को उनके अधिकार पाने के लिए किसी की कृपा का मोहताज न होना पड़े। किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकदार योजनाओं से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहां का सबसे कमजोर नागरिक अपने अधिकार कितनी आसानी और सम्मान के साथ प्राप्त कर सकता है। सवाल आज भी वही है—यदि ईमानदार नागरिक परेशान हैं और दलाल बेखौफ हैं, तो आखिर व्यवस्था किसके लिए काम कर रही है?

जाम में बेहाल, राहत का इंतजार

- एमजी रोड पर दिन में भी रेंग रहे वाहन
- जाम में फंसी एंबुलेंस, बड़ी लोगों की चिंता



आगरा। ताजनगरी आगरा की यातायात व्यवस्था इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रही है। शहर की लाइफलाइन मानी जाने वाली एमजी रोड पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। मेट्रो निर्माण कार्य और बढ़ते सड़कों के कारण हालात इतने खराब हो चुके हैं कि दिन के समय भी वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। शहरवासी रोजाना घंटों जाम में फंसने को मजबूर हैं, जिससे समय के साथ-साथ हजारों लीटर ईंधन भी बर्बाद हो रहा है। शनिवार को एसएन मेडिकल कॉलेज से हरीपर्वत जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग गया। सामान्य दिनों में जहां इस दूरी को तय करने में महज दो मिनट लगते हैं, वहीं लोगों को 10 से 12 मिनट तक जाम में फंसे रहना पड़ा। सूरसदन से हरीपर्वत की ओर जाने वाले मार्ग पर भी यातायात रेंगता नजर आया।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई। सायरन बजने के बावजूद उसे काफी देर तक रास्ता नहीं मिल सका। इस घटना ने ट्रैफिक प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

शहर के सबसे व्यस्त मार्ग एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण के चलते कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, जिससे वाहनों का दबाव बढ़ गया है। थोड़ी सी स्कावट भी यहाँ लंबे जाम का कारण बन रही है।

दूसरी ओर, एमजी रोड की सर्विस लेन समेत कई हिस्सों की सड़कें गड्ढों में लकीर हो चुकी हैं। वाहन चालकों को खराब रास्तों से गुजरते समय रफ्तार धीमी करनी पड़ती है, जिससे यातायात की गति और प्रभावित होती है। परिणामस्वरूप जाम की समस्या और विकराल होती जा रही है।

हालांकि प्रशासन ने समय-समय पर नए ट्रैफिक प्लान लागू किए हैं, लेकिन उनका असर जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना लगने वाले जाम से न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

मेट्रो निर्माण और टूटी सड़कों की दोहरी मार झेल रहे शहरवासियों के मन में अब एक ही सवाल है—आखिर आगरा को जाम से राहत कब मिलेगी?

आखिर किसकी सरपरस्ती में युवाओं तक पहुंच रहा ज़हर?

युवा पीढ़ी को निगलता नशे का जाल आखिर कैसे मिलेगी समस्या से निजात

कृष्णा ठाकुर

आगरा। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा पीढ़ी होती है। यही युवा कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, डॉक्टर, सैनिक, किसान, उद्योगपति और देश के भविष्य के निर्माता बनते हैं। लेकिन आज समाज के सामने एक ऐसी चुनौती खड़ी है, जो चुपचाप युवाओं के सपनों, परिवारों की उम्मीदों और देश के भविष्य को निगल रही है। यह चुनौती है—नशे का बढ़ता जाल।

एक समय था जब गांवों की चौपालों पर खेती-किसानी की चर्चा होती थी, शहरों में शिक्षा और रोजगार की बातें होती थीं और युवाओं की पहचान उनके संघर्ष, मेहनत और सपनों से होती थी। आज कई क्षेत्रों में तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। गांजा, स्मैक, चरस, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और शराब जैसे नशीले पदार्थ युवाओं तक पहुंच रहे हैं और चिंता की बात यह है कि इसकी चपेट में आने वालों की उम्र लगातार कम होती जा रही है।

नशा नहीं, धीरे-धीरे मौत की ओर बढ़ता कदम

नशे की शुरुआत अक्सर मजाक, जिज्ञासा या गलत संगत से होती है। कई युवा इसे तनाव दूर करने, आधुनिकता दिखाने या दोस्तों के दबाव में अपनाते हैं। लेकिन यही छोटी शुरुआत धीरे-धीरे एक ऐसी लत में बदल जाती है, जिससे बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो जाता है।

पहले प्रयोग, फिर आदत और फिर मजबूरी। देखते ही देखते पढ़ाई छूट जाती है, करियर खत्म होने लगता है, परिवार टूटने लगता है और कई मामलों में युवा अपराध या गंभीर मानसिक एवं शारीरिक बीमारियों की गिरफ्त में पहुंच जाता है।

आखिर यह ज़हर पहुंच कैसे रहा है?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब कानून इतने सख्त हैं, पुलिस और प्रशासन सक्रिय हैं, तब भी नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार पूरी तरह समाप्त क्यों नहीं हो पा रहा? समय-समय पर पुलिस और जांच एजेंसियां बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी करती हैं। इससे यह साफ है कि इसके पीछे संगठित तस्करी नेटवर्क सक्रिय हैं। हालांकि बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या संस्था पर आरोप लगाना उचित नहीं होगा, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि युवाओं तक नशा पहुंचने की श्रृंखला को तोड़ने के लिए और कितनी प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।

नशा और अपराध का बढ़ता संबंध

अपराध विशेषज्ञों के अनुसार नशे की लत कई अन्य अपराधों को भी जन्म दे सकती है। लत पूरी करने के लिए कुछ लोग चोरी, लूट या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की ओर बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि नशा नियंत्रण को कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा से भी जोड़ा जाता है।



देश के भविष्य पर सीधा हमला

नशा केवल एक व्यक्ति को बर्बाद नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को तोड़ देता है। माता-पिता की वर्षों की मेहनत, सपने और उम्मीदें पल भर में बिखर जाती हैं। कई परिवार ऐसे हैं जिन्होंने अपने बच्चों को ओवरडोज, मानसिक अवसाद या नशे से जुड़े अपराधों के कारण खो दिया। जब किसी देश की युवा शक्ति कमजोर होती है, तो उसका असर सीधे राष्ट्र के विकास पर पड़ता है। इसलिए नशे की समस्या केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है।

स्कूल और कॉलेज भी चिंता के घेरे में

विशेषज्ञों का मानना है कि किशोर और युवा वर्ग सबसे अधिक संवेदनशील होता है। यही वह उम्र है जब भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि इसी दौर में नशे की लत लग जाए तो पूरी जिंदगी प्रभावित हो सकती है। शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ें।

बेरोजगारी, तनाव और गलत संगत भी कारण

सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। बढ़ती बेरोजगारी, मानसिक तनाव, भविष्य की चिंता, पारिवारिक समस्याएं और गलत संगत भी युवाओं को नशे की ओर धकेल सकती हैं। जब युवा खुद को अकेला महसूस करता है, तब वह कई बार गलत रास्ते चुन लेता है। ऐसे समय में परिवार का सहयोग और सामाजिक समर्थन बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

समाज कब जागेगा?

जब किसी मोहल्ले या गांव का एक युवा नशे का शिकार होता है, तो अक्सर लोग इसे व्यक्तिगत समस्या मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच यह है कि नशा पूरे समाज को प्रभावित करता है। आज जरूरत है कि परिवार, समाज, स्कूल, कॉलेज, प्रशासन और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती का सामना करें। सदिध गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए, युवाओं को खेल, शिक्षा और कौशल विकास से जोड़ा जाए तथा नशा मुक्ति अभियानों को जन आंदोलन बनाया जाए।

समाधान केवल सजा नहीं, पुनर्वास भी

जो लोग नशे की लत का शिकार हो चुके हैं, उन्हें केवल दोषी मानना समाधान नहीं है। उन्हें उपचार, परामर्श और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है ताकि प्रभावित लोग सामान्य जीवन में वापस लौट सकें। नशा आज केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि देश के भविष्य के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। युवा पीढ़ी को बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जरूरत है जागरूकता की, जिम्मेदारी की और एक ऐसे सामाजिक आंदोलन की, जो युवाओं को नशे से दूर और सपनों के करीब ले जाए। क्योंकि जब युवा बचेंगे, तभी परिवार बचेंगे। परिवार बचेंगे, तभी समाज मजबूत होगा। और जब समाज मजबूत होगा, तभी देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: **धीरज शर्मा**, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

विवि का शताब्दी वर्ष समारोह बनेगा ऐतिहासिक

1 जुलाई को शिवाजी मंडपम में होगा मुख्य समारोह, देश-प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व को भेजे जा रहे आमंत्रण

टीएनए टुडे

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (डीबीआरएयू) के शताब्दी वर्ष समारोह को भव्य, ऐतिहासिक और जनसहभागिता आधारित बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी की अध्यक्षता में सेठ पदमचंद जैन संस्थान, खंदारी परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न समितियों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में देश और प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व को आमंत्रित करने की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए आवश्यक पत्राचार और औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। कुलपति प्रो. आशु

रानी ने सभी समितियों को अपनी कार्ययोजना निर्धारित समय में प्रस्तुत कर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय का मुख्य स्थापना दिवस एवं शताब्दी वर्ष उद्घाटन समारोह 1 जुलाई 2026 को स्वामी विवेकानंद परिसर स्थित शिवाजी मंडपम में आयोजित किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय की 100 वर्षों की गौरवगाथा, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं का महोत्सव होगा।

शताब्दी समारोह के अंतर्गत दीक्षांत मैदान में विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें विश्वविद्यालय के सौ वर्षों के इतिहास, शैक्षणिक विकास, शोध उपलब्धियों और सामाजिक योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। गृह विज्ञान संस्थान की छात्राओं की

प्रदर्शनी, एलुमनाई वॉल और शताब्दी स्मारिका रहेंगी आकर्षण का केंद्र

हुनर गैलरी, सामुदायिक रेंडियो, केंद्रीय पुस्तकालय, इतिहास विभाग, अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ, नवाचार एवं इन्क्यूबेशन सेल, पर्यटन अध्ययन विभाग तथा ललित कला एवं संगीत विभाग की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।



बैठक में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष एलुमनाई वॉल बनाने का निर्णय भी लिया गया। इसके अलावा छात्र कल्याण गतिविधियों के तहत विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते गए पदक,

ट्रॉफियां और सम्मान भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

स्मारिका समिति को निर्देश दिए गए कि शताब्दी वर्ष स्मारिका में विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, संस्थागत विकास, ऐतिहासिक दस्तावेज, पूर्व छात्रों की उपलब्धियां और गणमान्य व्यक्तियों के संदेश शामिल किए जाएं, ताकि यह स्मारिका विश्वविद्यालय की विरासत का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन सके।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष को यादगार बनाने के लिए विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी कराने की प्रक्रिया भी उच्च स्तर पर चल रही है। साथ ही आयोजन समिति, स्वागत समिति, मंच सज्जा एवं परिसर सौंदर्यीकरण समिति, प्रदर्शनी समिति, स्मारिका समिति, प्रोटोकॉल एवं अनुशासन समिति, भोजन व्यवस्था समिति, सजीव प्रसारण समिति तथा मीडिया समिति को अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करने के

निर्देश दिए गए।

बैठक में नव नियुक्त वित्त अधिकारी सुदर्शन, कुलसचिव अजय मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. बी.एस. शर्मा, कुलपति सचिवालय से अतुल सक्सेना, जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना सहित विभिन्न समितियों के संयोजक और सह-संयोजक मौजूद रहे।

बैठक के अंत में कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं, नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रेरणादायी संकल्प है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय परिवार के साथ-साथ पूरे आगरा के लिए गर्व का अवसर होगा और इसे शहर की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहचान के उत्सव के रूप में स्थापित किया जाएगा।



दवा बाजार में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम कार्रवाई करते हुए।

दवा मंडी में एफएसडीए का छापा, मची अफरा-तफरी

टीएनए टुडे

आगरा। आगरा के फर्रुखाबाद स्थित दवा बाजार में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने अचानक छापाकार कार्रवाई की। कार्रवाई की सूचना मिलते ही पूरे दवा बाजार में हड़कंध मच गया और कई दुकानदारों ने आनन-फानन में अपने प्रतिष्ठानों के शटर बंद कर दिए। एफएसडीए की टीम ने फुव्वारा दवा मार्केट और मुबारक महल दवा मार्केट पहुंचकर कई दवा दुकानों की जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 4 से 5 मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने दवाओं के स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, लाइसेंस और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। छापेमारी की खबर फैलते ही बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई व्यापारी अपने दस्तावेज व्यवस्थित करने में जुट गए, जबकि कुछ दुकानों के शटर बंद हो गए। बाजार में पूरे दिन कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा।

टीएम पहुंचते ही कई दुकानों के गिरे शटर, लाइसेंस और मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई

एफएसडीए अधिकारी दवाओं की वैधता, लाइसेंस की स्थिति और रिकॉर्ड की पारदर्शिता की जांच कर रहे हैं। साथ ही स्टॉक और दस्तावेजों का मिलान भी किया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अनियमितता का पता लगाया जा सके। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। देर शाम तक टीम की जांच जारी रहने की संभावना जताई गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक एफएसडीए की ओर से कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसी दुकान के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू

आगरा। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन और श्रम विभाग की ओर से शुक्रवार को जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता ई-रिक्शा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा बच्चों को शिक्षा की मुख्याधार से जोड़ने के लिए प्रेरित करना है। जागरूकता वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर बाल श्रम निषेध से जुड़े संदेशों का प्रचार-प्रसार करेगा।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) शशुन ओमर, सहायक श्रम आयुक्त, श्रम प्रवर्तन अधिकारी तथा श्रम विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों का स्थान स्कूल और शिक्षा संस्थानों में है, न कि श्रम कार्यों में। समाज के सभी वर्गों को बाल श्रम के उन्मूलन के लिए जागरूक होकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी बच्चे को श्रम करते हुए देखें तो इसकी सूचना संबंधित विभाग को दें। श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के माध्यम से जनपद के विभिन्न शहरी क्षेत्रों में लोगों को बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया जाएगा और बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जाएगा। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर शुरू किए गए इस अभियान से बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया।

अवैध खनन के आरोपों से नितेश अग्रवाल को मिली राहत

टीएनए टुडे

आगरा। विजय नगर कॉलोनी स्थित एक निर्माणधीन बहुमंजिला भवन में कथित अवैध खनन के मामले में प्रशासनिक जांच के बाद सराफा व्यापारी एवं व्यापारी नेता नितेश अग्रवाल को बड़ी राहत मिली है। खनन विभाग और आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) की संयुक्त जांच में लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई, जिसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर जब्त की गई जेसीबी मशीन को बिना किसी अर्थदंड के छोड़ दिया गया। यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब सोशल मीडिया पर निर्माण स्थल से जुड़े कुछ वीडियो और आरोप वायरल हुए थे। शिकायत मिलने के बाद खनन विभाग ने 5 जून को निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीन को कब्जे में लेकर थाना हरिप्रवर्त में खड़ा करा दिया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर संयुक्त जांच समिति गठित की गई। समिति में ज्येष्ठ खनन अधिकारी और आगरा विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारी को शामिल किया गया। जांच टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही संबंधित अभिलेखों और दस्तावेजों की जांच की। जांच रिपोर्ट में अवैध खनन के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। इसके आधार पर जिलाधिकारी ने 10 जून को जेसीबी मशीन को बिना किसी जुर्माने के अवमुक्त करने के आदेश जारी कर दिए। इसके बाद खनन विभाग ने थाना हरिप्रवर्त को पत्र भेजकर मशीन को तत्काल छोड़ने के निर्देश दिए।

नितेश अग्रवाल का कहना है कि उनके निर्माण कार्य को लेकर भ्रामक जानकारी प्रसारित की गई और उन पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि



संयुक्त जांच में नहीं मिली आरोपों की पुष्टि, बिना जुर्माना छोड़ी गई जब्त जेसीबी

स्थानीय चौकी प्रभारी द्वारा सहयोग न करने पर उनके खिलाफ गलत रिपोर्ट भेजी गई थी। इस संबंध में उन्होंने पुलिस कमिश्नर से भी शिकायत की थी। सूत्रों के अनुसार मामले की जांच के बाद संबंधित चौकी प्रभारी को उनके पद से हटा दिया गया। बताया जा रहा है कि जांच में उनकी भूमिका पर सवाल उठने के बाद यह कार्रवाई की गई।

संयुक्त जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद व्यापारी संगठनों ने प्रशासन की निष्पक्ष कार्रवाई का स्वागत किया। व्यापारियों का कहना है कि जांच से स्पष्ट हो गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों के समर्थन में पर्याप्त तथ्य नहीं मिले। उन्होंने बिना सत्यापन किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ आरोप प्रसारित करने से बचने के अपील की। जांच पूरी होने और स्थिति स्पष्ट होने के बाद निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है। प्रशासनिक रिपोर्ट के बाद इस मामले को लेकर चल रही चर्चाओं और विवादों पर भी काफी हद तक विराम लग गया है।

जिला न्यायालय परिसर की दुकानों के लिए मांगी गई निविदाएं

आगरा। जिला न्यायालय आगरा परिसर स्थित विभिन्न दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शेष अवधि तक निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह जानकारी नीलामी समिति के अध्यक्ष एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की ओर से जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार जिला न्यायालय परिसर में स्थित पुरानी कैटिन (चाय, नमकीन एवं मिष्ठान), गेट संख्या-4 स्थित फोटोस्टेड दुकान तथा गेट संख्या-4 और 5 के मध्य स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठान के संचालन हेतु इच्छुक व्यक्तियों से सीलबंद निविदाएं मांगी गई हैं।

निविदाएं 1 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे तक नजारात कार्यालय में जमा की जा सकेंगी। इसके बाद उसी दिन दोपहर 1:30 बजे समिति की उपस्थिति में निविदाओं को खोला जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार संबंधित दुकानों और प्रतिष्ठानों का विस्तृत विवरण, आरक्षित मूल्य तथा नीलामी की शर्तें किसी भी कार्य दिवस में नजारात कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

न्यायालय प्रशासन ने इच्छुक व्यवसायियों और आवेदकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। चयनित आवेदकों को 31 मार्च 2027 तक प्रतिष्ठान संचालित करने का अवसर मिलेगा।

समाधान दिवस में निर्माण और सीवर समस्याओं का अंबार

टीएनए टुडे

आगरा। नगर निगम द्वारा आयोजित मोहल्ला समाधान दिवस में शुक्रवार को शहर के विभिन्न वार्डों में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह और नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने लोगों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

वार्ड-54 स्थित श्रीराम पार्क में आयोजित समाधान दिवस में महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। क्षेत्रीय पार्षद रेणु गुप्ता की मौजूदगी में यहां करीब 85 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें निर्माण कार्य, सीवर, जलकल और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। वहीं वार्ड-91 के बल्केधर पार्क में नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने नागरिकों से संवाद किया। यहां लगभग 72 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें सीवर जाम, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। कार्यक्रम में पार्षद सुरजीतलाल गोयल भी मौजूद रहे।

वार्ड-65 में सब्जी मंडी के निकट स्थित पार्क में आयोजित समाधान दिवस में भी लोगों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। यहां करीब 68 शिकायतें दर्ज हुईं। अधिकांश शिकायतें निर्माण कार्य, सीवर, जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था से संबंधित थीं। इस दौरान पार्षद अनुराग चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा वार्ड-34 में 10, वार्ड-45 में 12, वार्ड-39 में 18,

महापौर और नगर आयुक्त ने मौके पर सुनीं समस्याएं

कई शिकायतों का तत्काल निस्तारण, बाकी पर कार्रवाई के निर्देश

वार्ड-83 में 14 तथा वार्ड-16 में 15 शिकायतें दर्ज की गईं। अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि मोहल्ला समाधान दिवस का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का उनके क्षेत्र में ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने लोगों से इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह ने कहा कि नगर निगम शहरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोहल्ला समाधान दिवस के माध्यम से नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही अधिकारियों से सीधे संवाद करने का अवसर मिले।

बारिश में डूबा शमसाबाद रोड, सड़कों पर बहा नालों का पानी

जलभराव से राहगीरों और वाहन चालकों की बड़ी परेशानी, सूचना मिलते ही नगर निगम ने संभाला मोर्चा

टीएनए टुडे

आगरा। बीती रात हुई तेज बारिश के बाद शमसाबाद रोड क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई। लगातार हुई झमाझम बारिश से कई नाले ओवरफ्लो हो गए और उनका गंदा पानी सड़कों पर फैल गया। इससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सुबह होते ही क्षेत्रवासियों ने नगर निगम को जलभराव की सूचना दी। शिकायत मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कर दिया। सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम ने स्वयं शमसाबाद रोड का निरीक्षण कर हलालत का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डबल पेट्रोल पंप, शहीद नगर पुलिस चौकी और अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में सीवर जेट मशीन लगाकर पानी की निकासी कराई गई।

नगर निगम कर्मचारियों ने कई स्थानों पर जमा पानी को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया, जिससे धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। सहायक नगर आयुक्त ने क्षेत्रीय अधिकारियों को नालों की तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से बचने के लिए नालों की नियमित सफाई बेहद जरूरी है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर के संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जहां भी जलभराव की सूचना मिलेगी, वहां तत्काल टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने नगर निगम से स्थायी



समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि हर बारिश में शमसाबाद रोड पर जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्टेशनों पर यात्रियों को मिली शीतल जल सेवा

आगरा। भीषण गर्मी के बीच यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए आगरा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा निःशुल्क शीतल जल सेवा का आयोजन किया गया। इस पहल से हजारों यात्रियों को गर्मी से राहत मिली। मंडल रेल प्रबंधक गणम गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में शुक्रवार को मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर जल वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के तहत आगरा कैंट स्टेशन पर मीना समाज सेवा जल समिति, आगरा फोटो स्टेशन पर एक

पहल संस्था तथा धौलपुर स्टेशन पर राधे-राधे संस्था द्वारा यात्रियों को निःशुल्क शीतल एवं अच्छे पेयजल वितरित किया गया। स्टेशनों पर मौजूद स्वयंसेवकों ने ट्रेनों से यात्रा कर रहे यात्रियों के साथ-साथ स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा कर रहे लोगों को भी ठंडा पानी उपलब्ध कराया। भीषण गर्मी में इस सेवा से यात्रियों को काफी राहत मिली और उन्होंने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। मंडल वाणिज्य निरीक्षकों और रेलवे अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए जनहित में किए जा रहे इस कार्य की प्रशंसा की। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आगरा मंडल यात्रियों की सुविधा और बेहतर सेवाओं के लिए लगातार प्रयासरत है।



शमसाबाद में महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे राजनाथ सिंह

टीएनए टुडे

आगरा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 14 जून को आगरा के शमसाबाद पहुंचेंगे। यहां वे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और महिला स्वाभिमान रैली को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और भाजपा संगठन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कार्यक्रम के अनुसार रक्षामंत्री दोपहर 2:30 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। इसके बाद वे सीधे शमसाबाद स्थित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होंगे। दोपहर 3 बजे महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रतिमा अनावरण के बाद एपी इंटर कॉलेज के पास एक विशाल जनसभा

14 जून को आगरा दौरे पर आएं रक्षामंत्री, महिला स्वाभिमान रैली को भी करेंगे संबोधित

आयोजित होगी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। महिला स्वाभिमान रैली भी इसी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगी। कार्यक्रम की तैयारियों के तहत शुक्रवार को यज्ञ और हवन-पूजन का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया सहित कई जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया। इससे पहले जिलाधिकारी मनीष बंसल, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ

अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच व्यवस्था और वीआईपी बैठकों की तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया ने बताया कि कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और सामाजिक संगठनों की भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रक्षामंत्री शाम 4:30 बजे खेरिया हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे और शाम 5 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

पेज के लिए नाम सुझाएं

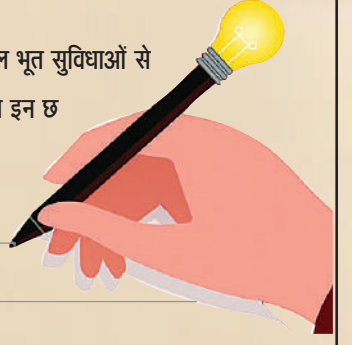
(संभावित नाम)

1. बुनियाद - आपकी सुविधा हमारा सवाल
2. जनसरोकार शून्य से समाधान तक
3. नागरिक अधिकार ग्राउंड रिपोर्ट
4. लोकशक्ति गली मोहल्ला और प्रशासन



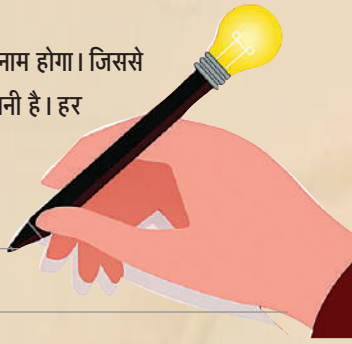
पेज परिचय

यह पेज डमी के रूप में सिर्फ **layout** के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है इसमें आम आदमी की मूल भूत सुविधाओं से जुड़ी समस्या पर खबरें प्रकाशित की जाएंगी जिसमें बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा इन छ मूलभूत आवश्यकताओं को पहले रखा जाएगा।



पेज का प्रारूप

इस पेज को हम 06 वर्टिकल और हॉरिजेंटल सेगमेंट में बांटेंगे। हर सेगमेंट का अपना एक रंग और नाम होगा। जिससे हमारे सम्मानित पाठक परिवार के सदस्यों को पता होगा कि उसे अपनी समस्या किस कॉलम में देखनी है। हर कॉलम का एक विशिष्ट नाम होगा और उसका विशेष कलर होगा।



बिजली, कंस्ट, रोशनी का हक

- कलर कोड पीली पट्टी या हल्का पीला बिजली के रंग का बैकग्राउंड कलर
- इस कॉलम के लिए नाम सुझाव भी दे सकते हैं।
- इसमें लगने वाली खबर में होगा।

1. फोटो कैप्शन के साथ।
2. चार लोगों के वर्जन।
3. चार अधिकारियों के वर्जन।

खबर होगी- अघोषित बिजली कटौती, खराब ट्रांसफार्मर, बिजली बिल की धांधली, स्टीट लाइट, अंधेरी सड़कें।



पानी- नीर क्षीर प्यासी जनता

कलर कोड हल्का नीली पट्टी या पानी के कलर का बैकग्राउंड कलर

इसमें लगने वाली खबर में होगा-

1. गंदा पानी
2. सीवर चौक व लीकेज
4. नाली सफाई
5. जलभराव की समस्या
6. गंगाजल
7. पानी की बर्बादी
8. हेडपंप, ट्यूबल, रीबोर



सड़क-राहगीर टूटीडगर, मुश्किल सफर

कलर कोड भूरा मिट्टी धूल का सा रेत का कलर

विषय- गढ़े वाली सड़कें, जलभराव के कारण रुकी राहें, टूटी सड़कें, घटिया सामग्री, यहाँ पर भी हो रास्ता ये भी बने पक्की सड़क।



चिकित्सा-संजीवनी बीमार सिस्टम

कलर कोड हरा या हरी पट्टी।

विषय- सरकारी **CHC**, **PHC** की बदहाली दवाओं की कमी, आशा वर्कर, झोलाछाप डॉक्टर-मजबूरी या जरूरी।



शिक्षा - कलम भविष्य की नींव

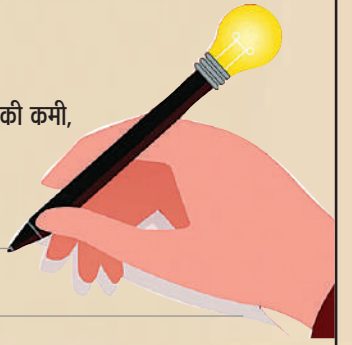
विषय- सरकारी आदर्श स्कूल, भारी फीस, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, कमीशनखोरी का आंतक, स्कूल में ताला, कलर कोड सफेद या बैंगनी पट्टी।



सुरक्षा - कवच महफूज शहर

कलर कोड गहरा लाल या पट्टी

विषय- मेरी सुनो फरियाद, कैसे लिखे मेरी **FIR**, पुलिस की जाँच, क्राइम का खुलासा, पुलिस गश्त की कमी, देहात की रूटीन चोरिया



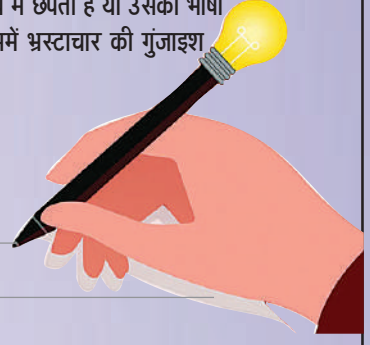
पेज का नाम सुझाएं

विकास का हिसाब टेंडर से धरातल तक।
पब्लिक मनी आपके टैक्स का लेखा जोखा।
निर्माण दर्पण टेका तकनीकी और पारदर्शिता।
अहस टेंडर टेकर - विकास की कुंजी।



पेज का परिचय

यह पेज एक निगरानी तंत्र की तरह होगा आमतौर पर टेंडर की सुचना छोटे अक्षरों में विज्ञापन के रूप में छपती है या उसकी भाषा या प्रस्तुतिकरण ऐसा होता है जिसे कोई नहीं पढ़ता लेकिन हम उसे इन्वेस्टीगेशन न्यूज़ बनाएंगे इसमें भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हो जाएगी क्योंकि जनता को पता होगा उनकी सड़क में कौन सा मसाला लग रहा है।



पेज का प्रारूप

इस पेज को हम प्रोजेक्ट लाइफ साइकिल के हिसाब से बांटेंगे यहां टेंडर की जटिल भाषा को सरल हिंदी में बदला जाएगा ये भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रभाव होगा

1. क्या नया होने वाला है

प्रोजेक्ट का नाम : जैसे ताजगंज में नाला निर्माण
कुल बजट : कितने करोड़ या लाख का काम है
काम की समय सीमा : कितने महीनों में पूरा करना है
क्षेत्र के लिए फायदा : इससे जनता को क्या राहत मिलेगी
टेंडर आमंत्रित : इस तिथि से इस तिथि तक करें आवेदन

3. क्वालिटी चेक : क्या तय हुआ है

मटेरियल का विवरण : प्रोजेक्ट रिपोर्ट के अनुसार कितनी गिट्टी, कौन सा, सीमेंट और कितनी मोटाई की डावर लगनी है कितने फीट की रोड होगी
टर्म एंड कंडीशन : अगर काम समय पर नहीं हुआ तो कितना जुर्माना लगेगा

2. किसे मिला टेका : यहां टेकेदार और विभाग के बिच पारदर्शिता दिखाई जाएगी

फर्म का नाम : किस कंपनी को मिला काम
प्रतिस्पर्धा : और किन किन फर्मों ने अप्लाई किया या और वे क्यों बाहर हुईं
फर्म का ट्रैक रिकॉर्ड : इस कंपनी ने पहले इस तरीके का कहां पर क्या काम किया है
फर्म का प्रोजेक्ट : इस कार्य के लिए कंपनी ने क्या प्रोजेक्ट दिया है उसकी मुख्य बातें

4. संपर्क और जवाबदेही

विभाग के जिम्मेदार (je और ae का नाम मोबाइल नंबर) फर्म ऑनर/ सुपरवाइजर (टेकेदार का नाम मोबाइल नंबर)



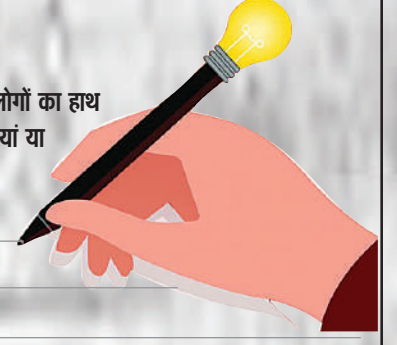
पेज के लिए नाम सुझाएं

1. योजना संगम सूचना से सुविधा तक
2. हक की चौखट अहस्र सारथी
3. सरकारी मित्र फाइल आपकी हमारी जिम्मेदारी
4. सरकारी योजनाओं का लोकल गाइड



पेज परिचय

1. इस पेज का उद्देश्य हर घर की बेसिक जरूरत को पूरा करना है हम इस पेज के माध्यम से लोगों का हाथ पकड़कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाएंगे इसमें सरकारी योजनाओं की खबरें खामियां या सच्चाई से जुड़ी खबरें जाएंगी



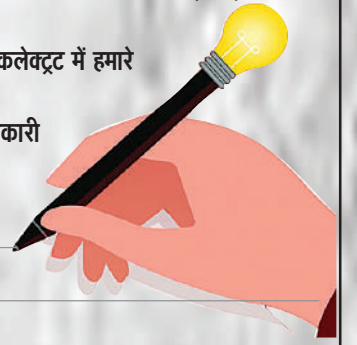
खबरों का प्रारूप

- | | |
|-------------------------------|----------------------|
| 1. योजना की डिटेल् | 2. आगरा ऑफिस कहां है |
| 3. अधिकारी बाबुओं के नाम नंबर | 4. आवेदन का तरीका |
| 5. लूज पोल | 6. संभावित अड़यन |
| 7. ऐसे मिलेगा लाभ | 7. लोकल गाइड |



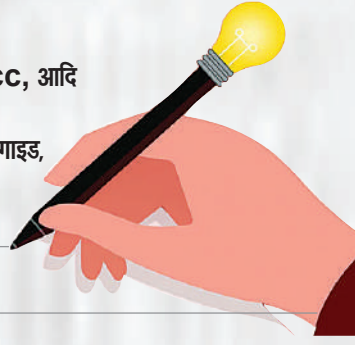
पेज का प्रारूप

1. इस पेज को श्रेष्ठियों में विभाजित किया जाएगा पेज के बीच में एक एक्शन बॉक्स होगा जिसमे टीम की कार्य प्रणाली दिखाई जाएगी फाइल अटकी है? दलाल कैसे मांग रहा है? हमें बनाए कैसे की जगह TNF की कॉपी थमाएं TNF सारथी हेल्प डेस्क लोकल एड्रेस आगरा के विकास भवन, नगर निगम, एडीए, हॉस्पिटल और कलेक्ट्रेट में हमारे वोलेंटिअर आपकी मदद करेंगे दस्तावेज गाइड आय जाति और निवास प्रमाण पत्र कहां और कितने दिन में बनेंगे इसकी सटीक जानकारी यहां पाएं



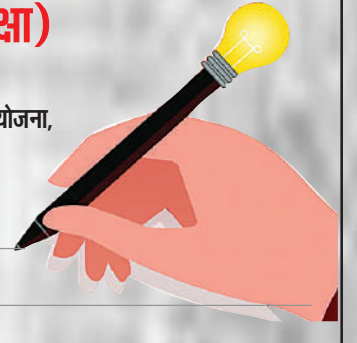
अन्नदाता: किसान कल्याण

1. योजनाएं किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, सोलर पंप सब्सिडी, घरोंनी, चकरोड़, msp, kcc, आदि नारीशक्ति: महिला सशक्तिकरण
1. योजनाएं कन्यासुमंगला, उज्जवला, विधवा पेंशन स्वयं सहायता समूह, शिक्षा, शादी आदि लोकल गाइड, विकास भवन wpo ऑफिस का कमरा नंबर



कलम और भविष्य: (छात्रवृत्ति और शिक्षा)

1. योजनाएं छात्रवृत्ति फी टेबलेट स्मार्टफोन, अभ्युदय कोचिंग rte, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी की योजना, इंटरशिप, जिला समाज कल्याण अधिकारी दफ्तर, आय और जाति



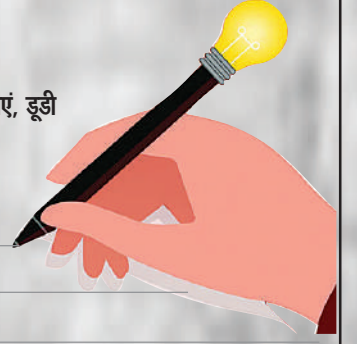
रोजी रोटी: स्वरोजगार-व्यापार

1. योजनाएं पीएम स्वनिधि रेडी पटरी, मुद्रा लोन, odop, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार आगरा में कितने मिले, आवेदन रिजेक्ट व्यू



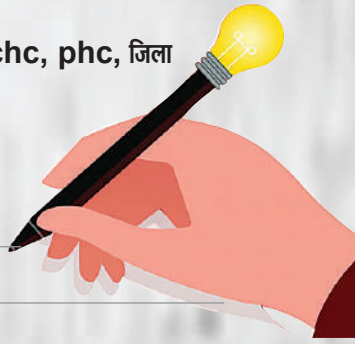
छत और आसरा: आवास योजना

1. योजनाएं पीएम आवास योजना, एडीए, नगर निगम, पंचायत की योजनाएं, कॉलोनी की योजनाएं, डूडी ऑफिस, अपनी फाइल स्टेट्स, लोकल बिल्डर और कोलोनाइजर



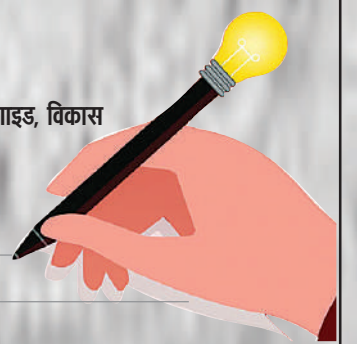
जीवन रक्षा: स्वास्थ्य और पेंशन

1. योजनाएं: आयुष्मान भारत, वृदावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सहायता, अन्य चिकित्सीय योजना chc, phc, जिला अस्पताल और ह्यु की योजना cmo ऑफिस, आयुष्मान डेस्क, pvt hospital



नारीशक्ति: महिला सशक्तिकरण

1. योजनाएं कन्यासुमंगला, उज्जवला, विधवा पेंशन स्वयं सहायता समूह, शिक्षा, शादी आदि लोकल गाइड, विकास भवन wpo ऑफिस का कमरा नंबर



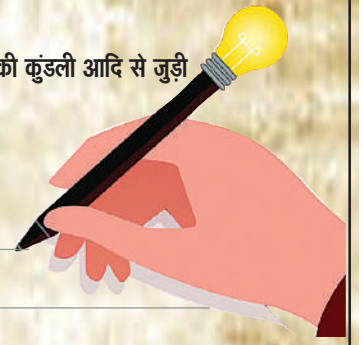
पेज का नाम सुझाएं

सत्ता का गलियारा भीतर की हकीकत
प्रशासन दर्पण विभाग शक्ति और जवाबदेही
TNF डायरेक्टरी दफ्तर से दिल तक
सरकारी तंत्र आप का हक उनकी जिम्मेदारी



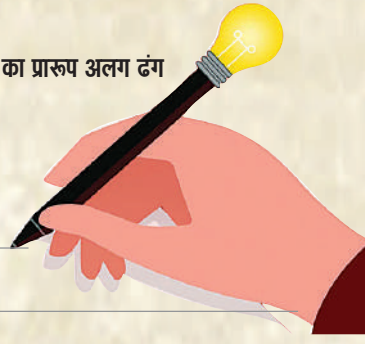
पेज का परिचय

इस पेज पर सरकारी विभागों, अधिकारी कर्मचारियों की गतिविधियों, प्रशासन के नये कदम, विभाग की कुंडली आदि से जुड़ी खबरें होंगी, प्रशासन के बारे में धारणा, अधिकारी के बारे में धारणा



पेज का प्रारूप

इस पेज को हम डिपार्टमेंट ऑफ द डे की तर्ज पर डिजाइन करेंगे। इसमें विशेष कॉलम होंगे। खबर का प्रारूप अलग ढंग से होगा।



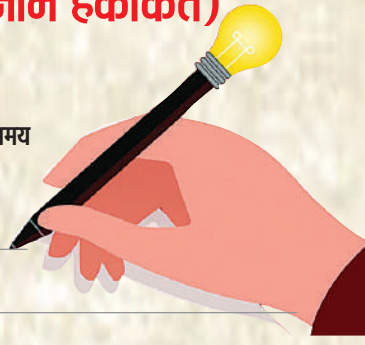
विभाग की कुंडली डिपार्टमेंट ऑफ द डे

आज का विभाग - क्या काम होता है
ऑफिस कहां है - कौन क्या है - प्रमुख अधिकारियों से लेकर पटल बाबू क्लर्क तक के नाम, पद और मोबाइल नंबर



वास्तविकता का आइना (रियलिटी चेक धारणा बनाम हकीकत)

जनता का माइंड सेट लोग क्या सोचते हैं जैसे एडीए में बिना रिश्तत काम नहीं होगा
धरातल का सच क्या बाकई वहां भ्रष्टाचार है या सिर्फ प्रक्रिया बंदी है
फायदा और नुकसान अगर आप इस विभाग में जाते हैं तो किन बातों का शयन रखें ताकि आपका समय और पैसा न डूबे



गुड़ गवर्नेंस सराहनीय कदम

प्रशासन की केवल आलोचना नहीं बल्कि उनके विजन की सराहना
मिशन और विजन विभाग आने वाले दिनों में शहर के लिए क्या बड़ा करने वाला है
सर्वसेस स्टोरी किसी अधिकारी ने अगर कोई नेक काम किया है या किसी पुरानी अटकी योजना को पूरा किया है तो उसे प्रमुखता से प्रकाशित



जनता के मन की बात

जनता उस विभाग के प्रमुख अधिकारी, अधिकारी का रिपोर्ट कार्ड: कि व्यवहार और काम की गति पर क्या सोचती है
पब्लिक की फीडबैक अगर मुझे मौका मिले तो मैं इस विभाग में यह बदलाव करूँगा/करूँगी



डाकू छविराम, जिसके अपराधों से हिल गई थी इंदिरा गांधी

यादों के लिए था अवतार, लगती थी पैर पूजा की कतार

शंकर देव तिवारी

आगरा। एमपी -यूपी में कई खूंखार डकैत हुए.. इनमें बहुत मारे गए तो बहुतों ने सरेंडर कर जान बचाई.. इनमें कुछ ऐसे रहे जिनके लिए उनकी बिरादरी ही ढाल बन गई.. आज एक ऐसे ही डकैत की कहानी जिसकी उसकी बिरादरी में पूजा होती थी..उसे भगवान की तरह पूजा जाता था..

हम बात कर रहे डकैत छविराम यादव की.. छविराम की कहानी पर सिलसिलेवार आगे बढ़ते हैं सबसे पहले बात करते हैं उसके उदय की..छविराम का उदय 70 -80 इटावा -मैनपुरी में तब हुआ जब एमपी -यूपी में डकैतों का आतंक चरम पर था यानि दस्यू काल। छविराम डकैत क्यों बना इसकी अलग- अलग कहानियाँ हैं.. छविराम मैनपुरी जिले के कुरावली थाने के हरनागपुर गांव के किसान निरंजन यादव के घर पैदा हुआ। निरंजन यादव के चार बेटे थे। निहाल यादव जय यादव, सूरज यादव और छविराम यादव, निहाल और जय फौज में थे, सूरज पिता के साथ खेती बाड़ी का काम देखते थे। छविराम भी फौज में भर्ती हो गया... बड़े भाईनिहाल ने नौकरी छोड़ना दी, बोला घर के सारे लोग फौज में ही नहीं रहेंगे। पढ़ाई लिखाई कर घर के आसपास सिविल की नौकरी करो। छविराम वापस आकर दयानन्द इंटर कॉलेज जेत में पढ़ाई करने लगा। छविराम के परिवार का बगल के गांव के एक ठाकुर लम्बरदार से 16 बीघा जमीन का विवाद था। इस पर कुछ कहसुनी हुई तो छविराम पर दफा 25 का मुकदमा लग गया। हालांकि पढ़ाई जारी रही। इसी दौरान छविराम के साथ पढ़ने वाले बगल के गांव मटपुरी के काशी यादव के परिवार का भी अपने गांव के जमींदार जयदयाल सिंह से जमीन को लेकर ही विवाद बढ़ा। छविराम और काशी यादव दोनों इस मामले में जेल गए। जेल से छूटते ही काशी यादव ने जमींदार की हत्या कर दी। काशी और छविराम दोनों बागी हो गए। ये कहानी तो छविराम के परिवार की है। दूसरी ये है कि वो शौकिया बंदूकबाज बना। खैर कहानी में आगे बढ़ते हैं... छविराम ने जब बंदूकबाजी शुरू की उस समय इलाके में यादवों के कई गिरोह थे। इनमें जारमन यादव समाज का हीरो बना हुआ था। छविराम उसके गिरोह में शामिल हो गया। जारमन के मारे जाने के बाद गिरोह का नेता अलवर बना अलवर के मारे जाने के बाद काशी और उसके मारे जाने के बाद छविराम और पोथी गैंग चलाने लगे। पोथी शाहनवाजपुर जिले के कलां इलाके के बेहटी का रहने वाला था। छविराम-पोथी गिरोह बहुत कम समय में कुख्यात हो गया।

इंदिरा ने दिया मारने का आदेश

यही दुस्साहस छविराम की मौत की वजह बना। पानी सिर से ऊपर जा चुका था। विधायक की हत्या के बाद वीपी सिंह सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गईं। छविराम को कांग्रेस के कई सांसद विधायक खासकर यादव जाति के नेता संरक्षण दे रहे थे। लेकिन अब सरकार सीधे विपक्ष के निशाने पर आ गई थी। इसलिए उसके खिलाफ निर्णायक अभियान चलाने का फैसला लिया गया। कहते हैं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उसे हर हाल में मारने के निर्देश दिए थे। पुलिस ने छविराम के खाते का ऑपरेशन शुरू किया लेकिन ये इतना आसान भी नहीं था। यादव बिरादरी उसकी ढाल थी। वो किस तरह उसका बचाव कर रही थी इसकी भी एक कहानी सुना देते हैं। उसने कुरावली के पास पड़रिया चौराहे पर बड़ा बड़ा यज्ञ किया। 8 दिन चले इस यज्ञ में छविराम पूरे समय मौजूद था लेकिन पुलिस कुछ नहीं कर पाई। अहिर बिरादरी के 40 हजार लोग उसकी ढाल बन थे।

खुद बुलाई मौत.

लेकिन छविराम ने जल्दी ही अपनी मौत खुद बुला ली। 16 फरवरी 1982 को छविराम गिरोह को पुलिस ने घेर लिया। आठ घंटे तक भीषण मुठभेड़ चली। इस मुठभेड़ में बच निकलने के बाद वो गिरोह के साथ भूमिगत हो गया। तीन दिन बाद ही 19 फरवरी की रात में बल्लभपुर गांव में छविराम गिरोह के एक सदस्य भूरा ने अपने पड़ोसी मुरारी यादव और उसके बेटे ओमप्रकाश को गोली मार दी। जब इन्हें बचाने मुरारी यादव की पत्नी और उसकी छोटी बेटा आई, तो भूरा ने उन्हें भी मार दिया। मुरारी की बड़ी लड़की ओमवती को लेकर वो भाग निकला। उसने 16 साल की ओमवती को बरी के नगला गांव में एक यादव के घर रखकर उसके साथ कई दिन तक बलात्कार किया। 22 फरवरी को वो ओमवती को लेकर छविराम के पास आ गया। छविराम ने ओमवती के अपहरण के लिए भूरा को डॉटा-फटकार उसे छोड़ने के लिए कहा। भूरा ने ओमवती को छोड़ने से इनकार कर दिया। लेकिन पुलिस का दबाव बढ़ने के बाद 2 मार्च को छविराम ने ओमवती को मुक्त करा ओमवती जैसे ही अपने गांव पहुंची पुलिस को पता चल गया। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि छविराम बरी के नगला के आसपास ही है। एमपी कर्मवीर सिंह ने पीएसी के लगभग छह सौ और पुलिस के सौ साहिबों के साथ 3 मार्च को छविराम की तलाश शुरू की। पुलिस दल जब मैनपुरी से आगरा जानेवाली रेलवे लाइन में पड़ने वाले ताखा रेलवे स्टेशन के सामने बसे खेरिया के पास पहुंचा, तो गांव में कुछ असामान्य हलचल का आभास हुआ। दरअसल गांव में छविराम की पैर पुजाई की रस्म चल रही थी। गांव के यादव बारी -बारी उसकी चरण पूजा कर रहे थे। पुलिस ने गांव को घेर लिया। छविराम का गिरोह बाहर निकला तो मुठभेड़ शुरू हुई। इस बार छविराम का पाला सात सौ पुलिस वालों से था। कहते हैं कांग्रेस के यादव नेताओं के दबाव के बाद लखनऊ से पुलिस को उसे जिन्दा पकड़ने का आदेश आ चुका था..मारने की मनाही थी.. लेकिन इसी दौरान डकैतों की एक गोली पीएसी के जवान किशनचंद पाण्डेय का माथा चीरते हुए निकल गई। अपने साथी की शहादत के बाद पीएसी के जवानों ने कहा आदेश की ऐसी की तैसी.. उन्होंने तब तक गोलियां बरसाईं जब तक कि डकैतों की बंदूकें खामोश नहीं हो गईं.. डकैतों की ताफ से फायरिंग रुकने के बाद जब तलाश की गई तो छविराम समेत 13 डकैत ढेर हो चुके थे. बाकी भाग निकले.. हालांकि यादव लोग कहते हैं कि उसे धोखे से जहर देकर मारा गया..छविराम को उसके ही साथी मथुरा सिंह चौहान ने ही जहर दे दिया था.. मथुरा सिंह पुलिस से मिल गया था उसने खाने में जहर मिला दिया...आज भी छविराम का बिरहा गाया जाता है..कहानी ये सुनाई जाती है कि उसने ठाकुरों के आतंक के खिलाफ हथियार उठाये और . यादवों के मान -सम्मान की रक्षा की.. असलियत क्या है के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं।

कई जिलों में था आतंक

इस गिरोह के पास एलएजी, एसएलआर, थ्री नॉट थ्री, सेमी ऑटोमेटिक राइफल, थर्टी कारबाइन जैसे घातक हथियार थे। मैनपुरी, एटा, फतेहगढ़, बदायूं शाहनवाजपुर तक गैंग ने दहशत मचानी शुरू कर दी और कुछ ही सालों के अंदर हत्या, डकैती, लूट, अपहरण के डेढ़ सौ मामले गिरोह पर दर्ज किए गए। आए दिन ये गिरोह कहर मचाने लगा। 15 अक्टूबर 1977 को गिरोह ने मुखबिरी की आशंका पर एटा जिले के जैथरा में पांच लोगों को काली नदी में डुबा कर मार डाला। 19 नवम्बर 1979 को मैनपुरी के अंछ थाने के बदनपुर गांव में 11 हरिजनों की हत्या कर दी। इनमें पांच महिलाएँ भी शामिल थीं। इसी साल दिसंबर के महीने में छविराम पोथी गैंग ने एटा जिले के सकीट इलाके के गठकोई गांव में सात लोगों की हत्या कर दी। मई 1981 में जैथरा थाना के कुंअरपुर गांव 11 हरिजनों को एक लाइन में खड़ा कर मार डाला।1981 के अगस्त महीने में ही छविराम -पोथी गैंग ने एटा जिले के अलीगंज थाना इलाके के नथुआपुर गांव में कई लोगों की हत्या की तो अक्टूबर में मैनपुरी के फकीरपुर गांव में पांच महिलाओं सहित 12 ठाकुरों की हत्या कर दी। छविराम -पोथी का गिरोह डकैतियां डालता.. जिन घरों में घुसता लूटपाट के बाद हत्या करता ही इसके साथ ही फिरोती वसूलने के लिए लोगों को अगवा कर लेता। अगवा किए लोगों को छोड़ने के एवज में मोटी रकम वसूली जाती और जो न देते उन्हें बड़े ही बेरहमी के साथ मौत के घाट उतार दिया जाता। छविराम यादव और पोथी यादव ने कई साल तक मिलकर ये बर्दातें कीं और फिर गिरोह चार हिस्सों में बंट गया। एक गिरोह छविराम का दूसरा पोथी, तीसरा महावीरा और चौथा अनार सिंह का बाकी तीन गिरोह छविराम के अंडर में ही था। निर्देशन उसी का चलता था।

पुलिस के लिए बन गया काल

छविराम का गिरोह आम आदमी के साथ पुलिस के लिए भी काल था। छविराम ने पुलिस का भी खूब खून बहाया। 9 मई 1981 को मैनपुरी जिले के घिरोर थाना इलाके में हुई मुठभेड़ में इंसपेक्टर मुंशीलाल शर्मा और पांच सिपाही इस गिरोह के हाथ मारे गए। 29 मई 2981 को आगरा जिले के पिनाहट थाना क्षेत्र में इस गिरोह से मुठभेड़ में कांस्टेबल श्रीपत, राम और शिव सिंह शहीद हो गए। 17 अगस्त 1981 को एटा के अलीगंज थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में इंसपेक्टर राजपाल सिंह समेत पुलिस के नी जवानों और तीन ग्रामीणों को छविराम गिरोह ने घेरकर मार डाला। छविराम के गिरोह में 90 रिस्टेड डकैत थे। पुलिस से भी अच्छे असलहे गैंग के पास थे। हर मुठभेड़ में गैंग पुलिस पर भारी पड़ जाता था। हालांकि मरते उसके भी साथी थे। छविराम को मरने के पहले उसके 34 साथी ढेर हुए।12 पकड़े गए। लेकिन जितने साथी मरते उससे ज्यादा वो नए बना लेता। यादव बिरादरी के लोग उसके लिए मानव ढाल का काम करते। छविराम को जब कभी बड़ी वारदात करनी होती तो रात में यादव समाज के दो से ढाई सौ लोग उसके साथ हो जाते। ये रात में बंदूक लेकर उसके साथ होते और दिन के उजाले में उजले काम करने लगते। छविराम जब यादव बाहुल्य गांव जाता तो भगवान की तरह लोग उसके दर्शन को आते। पांव पूजा के लिए कतार लगती।

सीओ को उटारा, विधायक को जिन्दा गाड़ा

छविराम के दुस्साहस का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने 1982 में एटा के अलीगंज के सीओ को अगवा कर लिया। ये यूपी सरकार को उसकी खुली चुनौती दी। हालांकि बाद में उसने सीओ सक्कुराल को छोड़ दिया। लेकिन पुलिस को उसने मुंह दिखाने तक न छोड़ा। सरकार की जमकर किरकिरी हुई। छविराम ने एक विधायक को जिन्दा गाड़ दिया। इसका खुलासा भी सनसनीखेज था। दरअसल छविरामका एक यादव को पुलिस छविराम को संरक्षण देने के आरोप में उठा ले गई। उसकी पत्नी फूलश्री को लगा कि पुलिस उसके पति को जिन्दा नहीं छोड़ने वाली। वो सीधे एमपी के पास गईं। बोली आप पति को छोड़ दीजिये हम आपको बता रहे विधायक जी को किसने गडवाया। एमपी को कुछ पता ही नहीं था। कौन विधायक कहाँ गड़े हैं। फूलश्री के बताने पर पता चला ये विधायक थे अलीगंज से जनसंघ की टिकट पर जीते सतीश शर्मा जो अचानक गायब हो गए। पुलिस ने बाद में उनका शव बरामद कर लिया। सतीश शर्मा ने छविराम के बिरादर लट्टरी सिंह यादव को हरा दिया था। इसलिए उसने उन्हें जिन्दा गडवा दिया।



अतिक्रमण पर निगम का बुलडोजर, खोखे हटाए

टीएनएफ टुडे

आगरा। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार को वाटर वर्क्स चौराहा और बाईपुर-सिकंदरा क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। नगर निगम की टीम ने सबसे पहले वाटर वर्क्स चौराहे के आसपास अभियान चलाया। यहां फुटपाथों पर ठेले और अस्थायी दुकानें लगाकर व्यापार कर रहे लोगों को हटाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए हैं और उन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान आधा दर्जन से अधिक ठेले जब्त कर नगर निगम परिसर भेज दिए गए। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई दुकानदार अपना सामान समेटते

वाटर वर्क्स और बाईपुर में चला अभियान, फुटपाथों से हटाए गए ठेले और अवैध कब्जे

नजर आए, जबकि कुछ लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। इसके बाद नगर निगम की टीम बाईपुर-सिकंदरा स्थित गणपति स्मार्ट सिटी के बाहर पहुंची। यहां लंबे समय से सार्वजनिक भूमि पर खोखे रखकर अतिक्रमण किया गया था। निगम अधिकारियों ने सख्ती दिखाते हुए एक दर्जन से अधिक खोखे हटवा दिए और एक खोखे को जब्त भी कर लिया। वाटर वर्क्स क्षेत्र में अभियान का नेतृत्व सहायक

अभियंता जीवेक ने किया, जबकि बाईपुर क्षेत्र में रासव नरीशक वैभव यादव और शालिनी गुप्ता की देखरेख में कार्रवाई की गई। अभियान में नगर निगम की टास्क फोर्स और अन्य विभागीय कर्मचारी भी शामिल रहे। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सार्वजनिक भूमि, फुटपाथ और सड़कों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे। साथ ही नागरिकों से भी शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई है।

आईटीआई में कौशल प्रदर्शनी, युवाओं को मिला रोजगार का मंत्र

आगरा। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बल्केश्वर में शुक्रवार को कौशल प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास योजनाओं, रोजगारपरक प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल रहे। उन्होंने फीता काटकर कौशल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल एवं परियोजनाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम कौशल विकास योजना, आईटीआई प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और डिजिटल स्किलिंग जैसी योजनाओं ने युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक कौशल विकास ने विभाग और आईटीआई की पिछले वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी दी। वहीं जिला उद्योग विभाग की ओर से सहायक आयुक्त उद्योग ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर पार्षद पूजा बंसल, नोडल प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विभागीय अधिकारी, प्रशिक्षक, प्रशिक्षणार्थी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन अरुण कुमार और सत्यवीर सिंह ने किया।



किले में गूंजी महाराजा सूरजमल की वीर गाथा

आगरा। भरतपुर नरेश महाराजा सूरजमल के विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को आगरा किले स्थित ऐतिहासिक जहांगीर महल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में महाराजा सूरजमल के शौर्य, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता के योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा सूरजमल के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उनके वंशज नेम सिंह फौजदार, विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश एवं अन्य अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि महाराजा सूरजमल का जीवन साहस, सुशासन और सामाजिक समरसता का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराजा सूरजमल ने अपने पराक्रम और दूरदर्शी नेतृत्व से भारतीय इतिहास में अमिट

विजय दिवस पर जहांगीर महल में हुआ मय्य सांस्कृतिक आयोजन

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल बोले- महाराजा सूरजमल का जीवन साहस और सुशासन की मिसाल

प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महाराजा सूरजमल के जीवन, संघर्ष और विजय गाथा को दर्शाया गया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को इतिहास के गौरवशाली पलों से रूबरू कराया। इस अवसर पर भाजपा आगरा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, चौधरी उदयभान सिंह, हेमंद शर्मा, महेश शर्मा, रोहित कत्याल, पुरुषोत्तम फौजदार, विवेक धर्मेश, शिविर जैन, राजेंद्र सिंह चाहर, मोहन सिंह सोलंकी, सत्यपाल अत्री, दलवीर सिंह रावत, राजवीर भोगी, यादराम वर्मा, हरिओम चौधरी, विकास भारद्वाज, बजरंगी चौधरी, नंदी महानज, कुंवर शैलराज सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाराजा सूरजमल के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को समाज और युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया गया।

जन संपादकीय

गर्मियों की छुट्टी का मजा और रोमांच हुआ गायब

वे भी क्या दिन थे जब गर्मी की छुट्टियां शुरू होते ही बच्चों की दुनिया पूरी तरह बदल जाती थी। कोई अपनी नानी के घर भागता था तो कोई दादा दादी के गांव की पगडंडियों पर बेफिक्र होकर घूमता था। दोपहरें कॉमिक्स पढ़ते हुए गुजरती थीं और शामें गिल्ली डंडा पतंगबाजी और बिना किसी कारण की शरारतों में बीतती थीं जहाँ समय का कोई बंधन नहीं था और छुट्टियां आत्मा की मरम्मत का एक पावन मौसम हुआ करती थीं। फिर अचानक हमारा भारत बदल गया और अब गर्मी की छुट्टियां भी मासूम बच्चों की नहीं रहीं। सबह उठते ही स्विमिंग ब्लास फिर क्रिकेट अकादमी फिर संगीत सीखना फिर कोडिंग कोर्स और शाम को ऑनलाइन वर्कशॉप का मानसिक बोझ बच्चे को स्कूल से तो कुछ समय की छुट्टी दिला देता है परंतु उसके जीवन से उसके बचपन को ही पूरी तरह छीन लेता है। आज हमारे समाज में जन्म लेते ही एक अंधी प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाती है जहाँ दो वर्ष के मासूमों को प्ले स्कूल भेजा जा रहा है क्योंकि मध्यमवर्गीय अभिभावकों को यह डर सता रहा है कि कहीं उनका बच्चा इस जीवन की रेस में पीछे न रह जाए।

नानी तेरी मोरनी को बिसराकर स्पोर्ट्स कोचिंग के वंगुल में फंसा मासूम बचपन

आज के इस भौतिकवादी युग में अक्सर बेहद सीमित हैं और दावेदार करोड़ों हैं जिसके कारण कोचिंग संस्कृति एक समानांतर और शिक्षा व्यवस्था बन चुकी है और बच्चे की पूरी किशोरावस्था प्रतियोगिता की एक प्रयोगशाला बनकर रह गई है। अब यह होड़ केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है बल्कि खेल भी भारी कमाई का एक नया टिकट बन चुके हैं। माता पिता क्रिकेटर्स की करोड़ों की नीलामी और पदक विजेताओं को मिलने वाले पुरस्कारों को देखकर अपने बच्चों को खेल अकादमियों में झोंक देते हैं जिससे खेल अब आनंद और मित्रता का माध्यम कम और करियर की एक व्यावसायिक रणनीति अधिक बनता जा रहा है। इसी बीच मनोरंजन उद्योग ने भी बचपन को बाजार में उतार दिया है जहाँ गायन और नृत्य की प्रतियोगिताएं बच्चों को सफलता का शॉर्टकट बेच रही हैं और मासूम बच्चे कैमरों जजों और वोटिंग के अमानवीय मानसिक दबाव में समय से पहले ही बड़े होने को मजबूर हो रहे हैं जिसका अंतिम परिणाम केवल शारीरिक थकावट और घोर निराशा ही होता है। सबसे दुखद बात यह है कि आधुनिक समाज अब बच्चों के खाली समय को लगभग एक बड़ा अपराध मानने लगा है जहाँ ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ना समय की बर्बादी और पेड़ों पर चढ़ना एक अनुपयोगी गतिविधि बन चुका है। दादा दादी और नाना नानी की कहानियां अब किसी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं और गांव की गलियां रिसतेदारों के घरों की चहल पहल अब केवल स्मृतियों में सिमट रही हैं। हर एक शौक को करियर में बदला जा रहा है कि गाना सीखो ताकि स्टार बनो नाचो ताकि टीवी पर आ सको और कोडिंग सीखो ताकि लाखों का पैकेज मिल सके मानो जीवन का हर एक क्षण केवल भविष्य की कमाई का एक निवेश मात्र है। समस्या खेल या पढ़ाई में नहीं है बल्कि उस संवेदनहीन मानसिकता में है जो हर बच्चे को केवल एक संभावित आय का स्रोत समझने लगी है। महंगाई और अनिश्चित भविष्य से डरे हुए अभिभावक तो केवल अपने बच्चों की सुरक्षा चाहते हैं परंतु इस अंधी दौड़ में सबसे बड़ा प्रश्न यही अनुत्तरित रह जाता है कि यदि बच्चा बचपन में ही पूरी तरह थक गया तो वह वास्तविक जीवन कब जिपा। हम बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करते करते उनका सुंदर वर्तमान ही छीन रहे हैं जो इस युग की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी है।

वृज खंडेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक चिंतक



वृज खंडेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक चिंतक

संपादकीय

सब कुछ भूल सिर्फ चुनावी इक्के की दरकार

ताजमगरी आगरा की ऐतिहासिक और पावन माटी इस समय एक अत्यंत विचित्र और कौतूहल से भरे राजनैतिक संक्रमण काल से गुजर रही है, जहाँ जन सरोकार और जन सेवा के बुनियादी सिद्धांत पूरी तरह से नेपथ्य में चले गए हैं और उनकी जगह केवल व्यक्तिगत वर्चस्व की भूख ने ले ली है। आगरा के समकालीन राजनैतिक गलियारों में इस समय सिधासी सितम अपने पूरे शबाब पर है। जहाँ हर छोटा बड़ा नेता जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के बजाय केवल और केवल अपनी सांगठनिक साख को बढ़ाने और उसे बचाने के आत्मघाती प्रयास में लीन दिखाई दे रहा है। पद और प्रतिष्ठा की यह अंधी दौड़ इस सीमा तक बढ़ चुकी है कि समकालीन राजनेता अपना उल्लू सीधा करने के लिए साम दाम दंड सहित हर संभव जोर आजमाइश कर रहे हैं ताकि आगामी सत्ता के समीकरणों में कैसे भी करके उनका अपना निजी इक्का बिल्कुल सही फिट हो जाए। इस राजनैतिक होड़ ने समूचे प्रशासनिक तंत्र को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया है, जिससे आम जनता स्वयं को पूरी तरह असहाय महसूस कर रही है।

जनता पानी बिजली और बदहाल सड़कों की विभीषिका से त्रस्त है परंतु हमारे माननीय जनसेवक केवल इस चिंता में घुले जा रहे हैं कि आगामी सांगठनिक फेरबदल में उनकी कुर्सी पर कोई दूसरा हक न जाता दे। इन समकालीन नेताओं की व्यवहार कुशलता और उनकी भाषा की कलाबाजी भी इस समय देखने योग्य है जहाँ कैमरे के सम्मुख तो वे राष्ट्रवाद समाज सेवा और विकास की बड़ी-बड़ी और भारी-भरकम बातें करते नहीं थकते परंतु कैमरे के पीछे इनकी पूरी ऊर्जा केवल अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को नीचा दिखाने और उनके मार्ग में अवरोध उत्पन्न करने में ही नष्ट हो रही है। स्वयं को अजातशत्रु और सबका हितैषी सिद्ध करने की इस होड़ में ये नेता इतने आत्ममुग्ध हो चुके हैं कि इन्हें अपने क्षेत्र की जनता का कराहता हुआ चेहरा भी दिखाई नहीं देता है। किसी भी मांगलिक कार्यक्रम या सामाजिक उत्सव में इनकी उपस्थिति केवल संवेदना की वजह से नहीं होती बल्कि वहां भी ये अपनी राजनैतिक गोठियां सेट करने और अपनी झूठी साख की नुमाइश करने ही पहुंचते हैं। जिसका एकमात्र उद्देश्य केवल आगामी चुनावों के लिए अपना आधार मजबूत करना होता है। सत्ता और पद की यह अंधी अभिलाषा जब जन सेवा के भाव को पूरी तरह से निगल जाती है तो समाज में केवल अविश्वास और नैतिक पतन का ही साम्राज्य स्थापित होता है। आगरा के इन नेताओं को अब यह गहराई से समझना होगा कि जनता के विश्वास को छलकर और केवल परिक्रमा राजनीति के बल पर अर्जित की गई साख रेत के महल की तरह होती है जो समय की एक ही तेज बयार में पूरी तरह बिखर जाती है। यदि वास्तव में अपनी साख को अमर बनाना है तो राजनेताओं को इस आत्ममुग्धता और अहंकार के वंगुल से बाहर निकलकर जनता के सुख दुख का सच्चा सारथी बनना होगा अन्यथा इतिहास के पन्नों में इनका नाम केवल एक अवसरवादी और पद के लोलुप राजनेता के रूप में ही दर्ज होगा। जो अपने आप में एक बहुत बड़ी मानवीय त्रासदी होगी।

ब्रज भूमि के माटी की महक व्यवहार कुशलता के धनी और कार्यक्रमों के किंग राहुल सारस्वत

कन्हैया की ब्रज भूमि से निकलकर जो बने उपमुख्यमंत्री के खास सहयोगी राहुल सारस्वत ही हैं युवाओं के असली सारथी

विद्यार्थी परिषद के पूर्णकालिक कार्यकर्ता से लेकर हरिद्वार तक सांगठनिक बयार बहाने वाले राहुल सारस्वत का पढ़िए पूरा सफरनामा

भव्य आयोजनों और सूक्ष्म व्यवस्था मैनेजमेंट के असली किंग, जानिए क्यों हर छोटे बड़े काम को खुद अपने हाथों से संभालते हैं राहुल सारस्वत

गोपी की नगरिया गांव के खेतों में हर वर्ष पौधारोपण कर प्रकृति की अनन्य सेवा करने वाले पर्यावरण प्रेमी राहुल सारस्वत

कार्यक्रमों के असली बादशाह और सूक्ष्म व्यवस्था मैनेजमेंट के माहिर खिलाड़ी

ब्रज मंडल की वह पावन माटी जहाँ साक्षात कन्हैया ने अपनी लीलाओं से समूचे संसार को प्रेम और रस का पाठ सिखाया उसी ब्रज भूमि के कण कण में एक अद्भुत सम्मोहन और अपनत्व समाया हुआ है। मथुरा जिले के गोपी की नगरिया गांव के सीधे साधे किसान परिवार से निकलकर बहुत ही कम आयु में पूरे उत्तर प्रदेश के राजनैतिक और सामाजिक पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने वाले राहुल सारस्वत आज इसी ब्रज भूमि के गौरव हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के अत्यंत प्रिय और भरोसेमंद सहयोगी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे राहुल सारस्वत के सियासी सफर की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पवित्र वैचारिक पाठशाला से हुई थी। अपनी सांगठनिक निष्ठा अपूर्व समर्पण और मधुर व्यवहार के बल पर उन्होंने ब्रज प्रांत से लेकर पूरे उत्तर प्रदेश के युवाओं के दिलों में अपनी एक बहुत बड़ी फौज खड़ी कर ली है।

सियासी संघर्ष



राहुल सारस्वत

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में संगठन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए राहुल सारस्वत ने ताजमगरी आगरा में राष्ट्रीय स्तर के कई ऐसे ऐतिहासिक और बड़े आयोजन कराए जिनकी भव्यता की गूँज आज भी सुनाई देती है। किसी भी राजनैतिक सामाजिक सांस्कृतिक या साहित्यिक कार्यक्रम को शून्यता से उठकर सफलता के शिखर तक पहुंचाने में उन्हें महारत हासिल है। इसीलिए राजनीति के गलियारों में लोग उन्हें बड़े आदर के साथ कार्यक्रमों का किंग भी कहते हैं। किसी भी बड़े उत्सव या सभा के आयोजन में भोजन, पानी, मंच संचालन और भीड़ प्रबंधन से लेकर हर एक सूक्ष्म व्यवस्था के मैनेजमेंट के वे ऐसे महारथी हैं जिनकी बनाई कृतीति कभी असफल नहीं होती। उनके व्यवहार में ब्रज का ऐसा अद्भुत और मीठा रस घुला हुआ है कि वे इतने बड़े पदों पर रहने और उपमुख्यमंत्री के विशेष सहयोगी होने के बाद भी हर छोटे से छोटे काम को स्वयं अपने हाथों से संभालने में तनिक भी संकोच नहीं करते हैं।

खेतों में हर वर्ष बरसती है अनोखी पर्यावरण की बयार

राहुल सारस्वत केवल राजनैतिक समर के ही सूरमा नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति माँ के एक अनन्य और सच्चे प्रेमी भी हैं। वे जब भी अपने व्यस्त राजनैतिक जीवन से समय निकालकर ब्रज भूमि में स्थित अपने पैतृक गांव गोपी की नगरिया पहुंचते हैं तो उनका पूरा समय प्रकृति की गोद में ही बीतता है। पर्यावरण को लेकर वे अपने गांव और समाज में अत्यधिक सजग रहते हैं और उनके इसी अनूठे लगाव का प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि वे हर वर्ष अपने खेतों पर बड़े पैमाने पर स्वयं पौधारोपण करते हैं और केवल पौधे लगाते ही नहीं हैं बल्कि उन पौधों को बच्चों की तरह सींचकर उनके पूरी तरह से बढ़ा होने तक उनके संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी भी निभाते हैं। अपनी इसी व्यवहार कुशलता सहजता और सांगठनिक वफादारी के बल पर राहुल सारस्वत आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सच्चे मार्गदर्शक और उपमुख्यमंत्री के सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं।

एबीवीपी के पूर्णकालिक सिपाही और हरिद्वार तक सांगठनिक अलख जगाने का अनूठा सफर

ब्रज की इस माटी के लाला राहुल सारस्वत के जीवन का सबसे बड़ा संबल उनकी सांगठनिक वफादारी और सहजता है। उन्होंने छत्र जीवन में स्वयं को पूरी तरह राष्ट्र सेवा को समर्पित करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में एक लंबे समय तक पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्हें हार्थरस के जिला संगठन मंत्री, आगरा महानगर के संगठन मंत्री और आगरा के विभाग संगठन मंत्री जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण और उत्तरदायित्व से भरी जिम्मेदारियां मिलीं। जिन्हें उन्होंने पूरी निष्ठा से निभाया। इसके पश्चात उनकी सांगठनिक कुशलता को देखते हुए उन्हें देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार जिले का विभाग संगठन मंत्री बनाकर भेजा गया। जहाँ उन्होंने गंगा मैया के सान्निध्य में युवाओं को राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से जोड़ने का भगीरथ प्रयास किया। युवाओं को सही राह दिखाना और हर परिस्थिति में लोगों का निःस्वार्थ सहयोग करना उनके जीवन की मुख्य रुचि का विषय है।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तियों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10+ सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नंबर 94123 59817 पर भेजें।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 14 जून 2026 रविवार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या (पितृ कार्य हेतु अमावस्या पुण्य काल)

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल

जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी डॉ. सरस्वती देवकुमार गौड़ (एडो. वस्तु शोधनम्) ए. 9193336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन साक्षात प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य नारायण की साधना और उपासना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के पात्र से जल अर्पित करना गायत्री मंत्र का मानसिक जप करना और लाल या हल्के केसरिया रंग के वस्त्र धारण करना जीवन में असीम तेज सामाजिक मान सम्मान आरोग्यता और व्यापारिक सुख समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष
आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनैतिक प्रभाव में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा और सोचे हुए सभी सरकारी काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदा आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। सूर्य नारायण को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष
आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद पूरी तरह हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। मुख्य द्वार पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके घर में स्याही सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन
आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी जरूरतमंद को गेहूं का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क
मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश की निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। सूर्य देव के सम्मुख बैठकर प्रार्थना करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह
आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्त्वक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या
आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला
आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में तांबे के पात्र का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक
धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। सूर्य कवच का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु
आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। गायत्री मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर
साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। भगवान सूर्य देव को प्रणाम करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ
आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन का दान करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन
कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। स्तान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी। जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। किसी पवित्र नदी के जल से सूर्य देव को अर्घ दें, जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र
रविवार के दिन घर के उत्तर पूर्व कोण यानी ईशान कोण में मिट्टी के पात्र में थोड़ा सा साफ जल भरकर उसमें लाल चंदन का एक छोटा सा टुकड़ा डालने से घर का भयंकर वास्तु दोष और पितृ दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात सूर्य नारायण की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का मानसिक व शारीरिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

प्रदेश में समय से पहले शुरू हुआ मिशन 2027 का घमासान

एजेंसी

लखनऊ। सूबे की राजनीति में आगामी वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विधिक सरगमियां समय से काफी पहले ही सातवें आसमान पर पहुंच गईं हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों से सबक लेते हुए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने राज्य के सभी अंचलों में अपनी सांगठित और विधिक घेराबंदी तेज कर दी है। शनिवार को लखनऊ के राजनीतिक गलियारों से मिली विधिक जानकारी के अनुसार दोनों ही दलों के शीर्ष रणनीतिकारों ने उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों के लिए जातिगत, सामाजिक और विधिक समीकरणों का नया खाका तैयार करना

भाजपा और समाजवादी पार्टी ने विधानी शुरू की जातिगत गोटियां

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था और विकास को बनाया मुख्य विधिक हथियार; अखिलेश यादव युवाओं के मुद्दों को लेकर आक्रामक

ताजनगरी आगरा सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सियासी समीकरणों को साधने के लिए दोनों मुख्य दलों के रणनीतिकार जमीनी स्तर पर मुस्तैद

शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को दो टूक विधिक निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में

कानून व्यवस्था, सुशासन और पारदर्शी विकास कार्यों की गति में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भाजपा इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश और ताजनगरी आगरा संभाग के जाट, दलित और व्यापारी वर्ग को अपने विधिक पाले में बनाए रखने के लिए पारदर्शी विधिक प्रक्रियाओं के मुद्दों को लेकर सरकार पर लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनावी महामुकाबला पूरी तरह से जमीनी मुद्दों और सोशल मीडिया की विधिक घेराबंदी पर केंद्रित रहने वाला है।

टिकट के दावेदारों को अब पास करना होगा कड़ा इंटरव्यू

लखनऊ। सूबे में आगामी वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से अपनी विधिक गोटियां बिछाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने प्रत्याशियों के चयन को लेकर एक बेहद चौंकाने और पारदर्शिता बढ़ाने वाला विधिक बदलाव किया है। पार्टी से विधिक टिकट पाने और केतली चुनाव चिन्ह लेकर चुनावी मैदान में उतरने के इच्छुक सभी दावेदारों को अब एक कड़े व्यक्तिगत साक्षात्कार (इंटरव्यू) की विधिक प्रक्रिया से गुजरना होगा। उम्मीदवारों को न केवल यह इंटरव्यू देना होगा बल्कि पार्टी के विधिक मानकों पर खरा उतरकर इसे पास करना भी पूरी तरह अनिवार्य होगा।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चितौड़ की ओर से जारी आधिकारिक विधिक सूचना के अनुसार राष्ट्रीय

लखनऊ में 13 जून से 16 जून तक चलेगा आजाद समाज पार्टी का विशेष विधिक शिविर

अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद 13 जून से लेकर 16 जून 2026 तक प्रांतीय राजधानी लखनऊ में प्रवास पर रहेंगे। इस चार दिवसीय विशेष विधिक प्रवास के दौरान वे प्रतिदिन सभी जोन प्रभासियों और मंडल प्रभासियों के साथ बैठक करेंगे और व्यक्तिगत तौर पर एक-एक विधानसभा प्रत्याशी का इंटरव्यू लेंगे।

इस विधिक प्रक्रिया के तहत 13 जून को मुख्य रूप से जोन संख्या एक के अंतर्गत आने वाले सहारनपुर, मेरठ और मुरादाबाद मंडल के टिकट दावेदारों को परखा जाएगा। इसके बाद 14 जून को बरेली, आगरा और अलीगढ़ संभाग के साथ-साथ कानपुर, चित्रकूट और झांसी मंडल के प्रत्याशियों के विधिक साक्षात्कारों की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

बेहद कम खर्च में बनेंगे हाई क्वालिटी वीडियो

एजेंसी

भारत ने रचा नया वैज्ञानिक इतिहास, स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल वार्या हुआ लॉन्च

इंडिया एआई मिशन की ओर से देश के अग्रणी वैज्ञानिकों ने तैयार किया पहला वीडियो जनरेटिंग मॉडल; विदेशी सॉफ्टवेयरों की विधिक निर्भरता होगी पूरी तरह खत्म

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन रविवार को फ्रांस के नाइस शहर में भारत नवाचार शिखर सम्मेलन का करंगे संयुक्त विधिक उद्घाटन

देश के शीर्षस्थ कंप्यूटर इंजीनियरों और वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है। इस आधुनिक मॉडल के आने से अब महंगे विदेशी सॉफ्टवेयरों पर भारत की विधिक निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो

जाएगी। वैज्ञानिकों ने बताया कि वार्या मॉडल की मदद से देश के छोटे फिल्ट्रकार, डिजिटल मीडिया संस्थान, शिक्षाविद और छत्र बेहद न्यूनतम खर्च और बिना

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं सैकड़ों फरियादियों

लखनऊ। प्रदेश की जनता को त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी न्याय दिलाने की अपनी विधिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 जून को प्रांतीय राजधानी लखनऊ स्थित अपने सरकारी मुख्य आवास पर एक वृहद जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सूबे के विभिन्न सुदूर जनपदों, ग्रामीण अंचलों और ताजनगरी संभाग से आए सैकड़ों की संख्या में पीड़ित फरियादियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष उपस्थित होकर अपनी विधिक, प्रशासनिक और व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित मांग पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने पूरी संवेदनशीलता के साथ एक-एक व्यक्ति के पास जाकर उसकी बात सुनी और उनके विधिक प्रार्थना पत्रों को संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को प्रेषित किया।

जनता दर्शन के दौरान मुख्य रूप से अवैध विधिक कब्जों,



भूमि विवादों, थानों में विधिक सुनवाई न होने और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए विधिक वित्तीय सहायता प्रदान करने से जुड़े मामले पटल पर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौके पर मौजूद शासन के वरिष्ठ विधिक अधिकारियों और पुलिस कप्तानों को कड़े लहजे में निर्देशित किया कि जनता की विधिक समस्याओं का समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण और स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो टूक शब्दों में विधिक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी जनपद या तहसील स्तर पर फरियादियों को न्याय के लिए परेशान किया गया या विधिक शिथिलता बरती गई, तो संबंधित नोडल अधिकारी की विधिक जवाबदेही तय करते हुए उसके खिलाफ तत्काल प्रभाव से कठोर विभागीय दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीमांत किसानों को मिलेगा बड़ा विधिक लाभ

लखनऊ। सूबे के अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने और कृषि क्षेत्र में आधुनिक व पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश की कृषि विधिक समिति ने एक दूरगामी विधिक फैसला लिया है। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश प्राकृतिक एवं जैविक खेती प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आगामी वित्तीय वर्ष के लिए एक बड़े विशेष बजट को विधिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य विधिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे और सीमांत किसानों के विशेष विधिक क्लस्टर (समूह) बनाकर उन्हें पूरी तरह से रसायन मुक्त और जैविक खेती की विधिक विधा से जोड़ना है।

सरकार ने जैविक खेती प्रोत्साहन योजना के बजट को दी विधिक मंजूरी

कृषि महानिदेशक से प्राप्त विधिक जानकारी के अनुसार इस योजना के पहले चरण में ताजनगरी आगरा संभाग के फतेहबाद, डौली और रकावगंज के बाहरी ग्रामीण अंचलों सहित सूबे के सौ से अधिक चिन्हित विकासखंडों को शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में विभाग द्वारा विशेष कृषि विधिक शिविरों का आयोजन कर किसानों को मुदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत उनके खेतों की मिट्टी का निशुल्क विधिक व वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाएगा। किसानों को जैविक खाद, केचुआ खाद और स्वदेशी बीजों के विधिक किट भी पूरी तरह से निशुल्क वितरित किए जाएंगे ताकि देश की धरती को रसायनिक खादों के दुष्प्रभावों से विधिक रूप से बचाया जा सके और नागरिकों को शुद्ध खाद्यान्न उपलब्ध हो सके।



जल्द होगी साठ हजार शिक्षकों की बंपर भर्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लाखों बीटीसी, बीएड और शिक्षक पात्रता परीक्षा पास कर चुके बेरोजगार युवाओं के लिए सूबे की योगी सरकार एक बहुत बड़ा विधिक तोहफा लेकर आई है। शासन के उच्च पदस्थ सूत्रों ने 12 जून को देर शाम विधिक पुष्टि करते हुए बताया कि राज्य सरकार जल्द ही बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में रिक्त पड़े लगभग साठ हजार शिक्षकों के पदों को भरने के लिए एक वृहद विधिक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री के कड़े विधिक निर्देशों के अनुपालन में न्याय विभाग ने भर्ती नियमावली के सभी विधिक और तकनीकी पक्षों की गहन समीक्षा करने के बाद अपनी अंतिम विधिक हरी झंडी दे दी है। इस मेगा भर्ती अभियान को पूरी तरह से पारदर्शी, विवाद रहित और पेपर लीक जैसी विसंगतियों से मुक्त रखने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा तकनीकी बदलाव किया है। इस बार पूरी परीक्षा कंप्यूटर आधारित टेस्ट मोड में आयोजित की जाएगी तथा उत्तर पुस्तिकाओं का विधिक न्यूक्लियन भी आधुनिक एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता सॉफ्टवेयर के माध्यम से कराया जाएगा। परीक्षा केंद्रों की भौतिक निगरानी के लिए जिलाधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। शासन ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाले दलालों और फजी विज्ञापनों के खिलाफ सख्त विधिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस घोषणा से सूबे के युवाओं में खुशी की बड़ी विधिक लहर दौड़ गई है।

भारतीय चालक दल वाले व्यापारिक जहाज पर फिर मिसाइल हमला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापारिक मार्गों पर जारी संघर्षों के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर एक बेहद सख्त और कड़ा विधिक रुख अख्तियार किया है। ओमान के तटीय समुद्र के पास भारतीय चालक दल के सदस्यों से लदे एक और बड़े व्यापारिक तेल टैंकर जहाज पर अमेरिकी सेना के मिसाइल हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा एक्शन लिया है। भारत ने पिछले तीन दिनों के भीतर दूसरी बार अमेरिकी दूतावास के उप-मिशन प्रमुख जेसन मीरस को नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्य मुखालय में विधिक रूप से तलब कर इस घटना पर अपनी बेहद गंभीर आपत्ति और कड़ा कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है।

विदेशी सूत्रों से मिली विधिक जानकारी के अनुसार अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ओमान के तट के पास एक सदिग्ध टैंकर को निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी, जिस पर संयोगवश 20 भारतीय विधिक चालक

प्रदेश के सभी नगर निगमों में लागू होंगे नए विधिक सुरक्षा मानक

लखनऊ। सूबे के शहरी क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आगामी मानसूनी सीजन के दौरान नागरिकों को जलभराव जैसी गंभीर विधिक समस्याओं से बचाने के लिए उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग ने एक बड़ी विधिक कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। शासन के मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी नगर निगमों के नगर आयुक्तों और जलकल विभाग के महाप्रबंधकों के साथ एक उच्च स्तरीय विधिक समीक्षा बैठक की। बैठक में कड़े निर्देश दिए गए कि सभी छोटे-बड़े नालों की सिल्ट सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए।

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन की प्रगति की समीक्षा की

एजेंसी



नई दिल्ली। देश को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक पटल पर अग्रणी बनाने के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 जून को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय विधिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन की वर्तमान प्रगति और भविष्य की विधिक कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मुख्य वैज्ञानिकों, रक्षा मंत्रालय के आला अधिकारियों और नीति आयोग के विधिक सदस्यों ने शिरकत की। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को और सुदृढ़ करने के विधिक उपायों पर गहन मंथन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का अंतरिक्ष मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश के करोड़ों युवाओं के विकास और आर्थिक प्रगति का एक मुख्य विधिक माध्यम भी है। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी विधिक भागीदारी और

स्वदेशी स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान नियमों को और अधिक सुगम व पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश के निजी उद्यमी और युवा वैज्ञानिक मिलकर काम करेंगे तो स्वदेशी रॉकेट प्रौद्योगिकी, उन्नत संचार उपग्रहों और

सुदूर संवेदन तकनीकों का विकास बेहद कम खर्च में और तीव्र गति से संभव हो सकेगा। उन्होंने चंद्रयान और गगनयान मिशनों की विधिक तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम की मुक्त कंठ से सराहना की।

पेपर लीक रोकने के लिए अब पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली पर होगा फोकस

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के लाखों बेरोजगार युवाओं और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित व पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र सरकार की प्रशासनिक मशीनरी ने एक बड़ा विधिक और तकनीकी सुरक्षा अभियान शुरू कर दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री ने रेलवे भर्ती बोर्ड के आला अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय विधिक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि भविष्य में होने वाली सभी प्रकार की गैर तकनीकी और तकनीकी रेलवे भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह से पारदर्शी बनाने के लिए पुरानी विधिक व्यवस्था को समाप्त कर अब शत प्रतिशत कंप्यूटर आधारित टेस्ट मोड (प्रणाली) में स्थानांतरित किया जाएगा ताकि किसी भी स्तर पर प्रश्नपत्र लीक होने की लिपिकीय या तकनीकी विभावना को शून्य किया जा सके।

इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं की विधिक विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए केंद्रीय कैबिनेट सचिव डॉक्टर की अध्यक्षता में एक अत्यंत महत्वपूर्ण विधिक बैठक संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाली नीट पुनर्परीक्षा की प्रशासनिक और विधिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कैबिनेट सचिव ने देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और जिलाधिकारियों को कड़े विधिक निर्देश जारी किए हैं कि परीक्षा केंद्रों के भीतर जैमर, आधुनिक कैमरे और सुरक्षा बल की तैनाती विधिक रूप से सुनिश्चित की जाए। किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई भी विधिक विसंगति पाए जाने पर सीधे केंद्र व्यवस्थापक और संबंधित नोडल एजेंसी के खिलाफ विधिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन की सुप्रीम याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने देश के भीतर जारी चुनावी प्रक्रियाओं की विधिक स्वायत्तता को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी विधिक व्यवस्था दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस की वरिष्ठ महिला नेता मीनाक्षी नटराजन की उस विधिक याचिका को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश की अर्वाजा नई खटखटिया का विधिक रूप से हवाला देते हुए कहा कि इस संवैधानिक व्यवस्था के आलोक में

दी थी। सर्वोच्च अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि देश की विधिक अदालतें सामान्यतः किसी भी चालू या जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच में प्रशासनिक हस्तक्षेप करने से पूरी तरह परहेज करेंगी। सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और माननीय न्यायमूर्ति एस चंद्रकर की विधिक खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। पीठ ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 329 बी के विधिक प्रावधानों का विशेष रूप से हवाला देते हुए कहा कि इस संवैधानिक व्यवस्था के आलोक में

अदालत के पास रिटनिंग ऑफिसर यानी चुनाव अधिकारी के विधिक आदेश में सीधे हस्तक्षेप करने का कोई विधिक क्षेत्राधिकार नहीं बनता है। यदि किसी प्रत्याशी को नामांकन निरस्तीकरण को लेकर कोई विधिक आपत्ति है, तो चुनाव संपन्न होने के उपरांत विधिक नियमों के तहत दायर की जाने वाली चुनाव याचिका (इलेक्शन पेटिशन) ही एकमात्र विधिक और संवैधानिक उपचार उपलब्ध है, जिससे पहले अदालत का दरवाजा नहीं खटखटिया जा सकता। इस विधिक फैसले से कांग्रेस खेमे को बड़ा झटका लगा है।

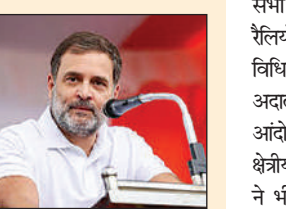
इंडिया गठबंधन की बैठक में राहुल गांधी ने विधिक व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की विधिक और राजनीतिक व्यवस्था के भीतर आगामी चुनावों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक बार फिर विधिक शह और मात का खेल शुरू हो गया है। नई दिल्ली में संपन्न हुई विपक्षी इंडिया गठबंधन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय विधिक समीक्षा बैठक में राहुल गांधी ने विधिक व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली में संपन्न हुई विपक्षी दलों की महाबैठक का मुख्य वीडियो हुआ जारी; चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष ने तेज किया हमला

रहे हैं। राहुल गांधी ने बैठक में मौजूद समाजवादी पार्टी के मुख्य अखिलेश यादव, तुषार प्रसाद और वामपंथी दलों के मुख्य विधिक प्रतिनिधियों के सामने दो टूक शब्दों में कहा कि इसमें कोई विधिक दो राय नहीं है कि देश की जनता का मूड बदल चुका है और अगला बड़ा चुनाव पूरी तरह से हमारा है। जनता हमारे विधिक एजेंडे के साथ खड़ी है लेकिन सबसे बड़ी विधिक चिंता यह है कि



देश की वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था के तहत आगामी समय में पूरी तरह से स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष मतदान होना अब बेहद मुश्किल नजर आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र और मुख्य विधिक संस्थाओं का झुकाव एकातरण होता जा रहा है जो हमारे लोकतांत्रिक और विधिक अधिकारों के लिए एक बड़ा खतरा है। वीडियो के विधिक अंशों के अनुसार राहुल गांधी ने गठबंधन के

सभी नेताओं से आह्वान किया कि हमें केवल चुनावी रैलियों तक सीमित नहीं रहना है बल्कि मतदान के विधिक अधिकारों की रक्षा के लिए देश की सर्वोच्च अदालत से लेकर सड़क तक एक बड़ा विधिक आंदोलन खड़ा करना होगा। बैठक में मौजूद विभिन्न क्षेत्रीय दलों के मुख्यमंत्रियों और विधिक सलाहकारों ने भी विद्युतीय मतदान प्रणाली यानी ईवीएम की विधिक विश्वसनीयता और वीवीपैट पंचियों की शत प्रतिशत भौतिक गणना कराने की मांग को लेकर संसद के आगामी सत्र में सरकार को विधिक रूप से घेरने की एक सामूहिक कार्ययोजना तैयार की है। विपक्षी नेताओं का साफ तौर पर कहना है कि जब तक देश का प्रत्येक नागरिक अपने मत की विधिक सुरक्षा को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाता तब तक हमारा यह विधिक संघर्ष अनवरत रूप से जारी रहेगा।



धमाल 4 के धमाकेदार और गुदगुदाने वाले ट्रेलर के मुख्य दृश्य में सोने के खजाने की खोज में हैरान परेशान दिखते अभिनेता अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और संजय मिश्रा।

धमाल 4 का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज

सोने के खजाने की खोज में निकले अजय देवगन और अरशद वारसी ने फैस को हंसी से किया लोटपोट

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे सफल और लोकप्रिय कॉमेडी फिल्मों में शुमार धमाल फ्रैंचाइज के अगले भाग यानी धमाल 4 का मचअवेटेड (बहुप्रतीक्षित) ट्रेलर आखिरकार शुक्रवार शाम को आधिकारिक रूप से रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर के सामने आते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर फैस हंसी से लोटपोट हो रहे हैं। इस बार फिल्म में कॉमेडी का स्तर चार गुना ज्यादा होने वाला है क्योंकि पूरी धमाल गैंग अपनी ज़िंदगी के सबसे बड़े खजाने यानी सोने के एक विशाल पहाड़ की तलाश में देश दुनिया की खाक छानती हुई नजर आ रही है।

रिलीज होते ही महज कुछ ही घंटों के भीतर इस ट्रेलर को लाखों व्यूज मिल चुके हैं और नेटिजंस इसे साल 2026 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्म बता रहे हैं। फिल्म के मुख्य कलाकारों में शामिल अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा की जबरदस्त जुगलबंदी और वन लाइनर पंचों ने एक बार फिर

दर्शकों को हंसते हंसते पेट में दर्द होने पर मजबूर कर दिया है। इस बार फिल्म की मुख्य कहानी पहले भाग की याद दिलाती है जहां खजाने की खबर मिलते ही पूरी टीम सोने को हथियाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखती है।

एम के निशान के नीचे छुपा है सोने का असली खजाना

ट्रेलर के मुख्य दृश्यों में दिखाया गया है कि धमाल गैंग को एक बड़े सोने के खजाने का सुराग मिलता है। अभिनेता उषेंद्र लिमये पहाड़ी की खाई में गिरने से पहले चीखते हुए कहते हैं कि खजाना अंग्रेजी के अक्षर एम के नीचे छुपा है। इसके बाद अजय देवगन अपनी टीम से जोर से बोलने को कहते हैं लेकिन तब तक देर हो जाती है। यहीं से शुरू होती है खजाने की अंधी दौड़ और लापरवाह राइड जिसमें जबरदस्त टिक्स्ट और सिचुएशनल कॉमेडी की भरमार है। इस बार फिल्म की स्टाफ कास्ट को और बड़ा करते हुए इसमें भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन, संजोदा शोख, ईशा गुप्ता, अंजलि आनंद और विजय पाटकर को भी शामिल किया गया है जो अपनी अनोखी टाइमिंग से फिल्म में

चार चांद लगा रहे हैं। विशेष रूप से रवि किशन का अंदाज सबसे अनूठा और जुवा नजर आ रहा है।

दस जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी यह बड़ी फिल्म

धमाल फ्रैंचाइज की शुरुआत वर्ष 2007 में हुई थी जिसके बाद 2011 में इसका सीकवल डबल धमाल और 2019 में टोटल धमाल आया था। ये तीनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थीं। अब इस चौथी कड़ी को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। फिल्म का निर्देशन प्रख्यात डायरेक्टर इंदर कुमार ने किया है जबकि इसका निर्माण अजय देवगन, भूषण कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाटक ने मिलकर किया है। पहले यह फिल्म सत्रह जुलाई को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट में बदलाव करते हुए अब इसे दस जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने का फैसला किया है। फिल्म में वरुण धवन, आशुतोष राणा, राजपाल यादव और वरुण शर्मा भी अहम किरदारों में दिखेंगे जबकि चर्चा है कि श्रद्धा कपूर फिल्म में डबल रोल में नजर आ सकती हैं।

मायानगरी मुंबई में सजने जा रहा सिनेमा का सबसे बड़ा मंच

15 जून से शुरू होगा 19 वां मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

कुल 46 देशों की 346 शानदार फिल्मों का होगा प्रदर्शन, नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को मिली रिकॉर्ड 1459 प्रविष्टियां

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिनेमा हेाकाथॉन बनाया इस बार मुख्य आकर्षण, महान फिल्मकार डेविड एटनबरो को दिया जाएगा विशेष शताब्दी सम्मान

एजेंसी

ओपनिंग फिल्मों में दिखेगा चार देशों का कमाल, 24 विशेष वर्गों में बंटी फिल्में

मुंबई। वैश्विक सिनेमा जगत और भारत की मायानगरी मुंबई में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिनेमा का सबसे बड़ा मेला लगने जा रहा है। नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएफडीसी) द्वारा आयोजित किए जाने वाले द्विवार्षिक 19 वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एमआईएफएफ) 2026 का आधिकारिक और विधिक बिगुल फूंक दिया गया है। मुंबई में आयोजित एक भव्य कर्टेन रेजर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक प्रकाश मद्दूम ने बताया कि यह बहुप्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल आगामी 15 जून से 21 जून 2026 तक गोपालराव देशमुख मार्ग स्थित एनएफडीसी परिसर के साथ-साथ ताजमनरी और देश दुनिया के फिल्मकारों के लिए मुख्य आकर्षण केंद्र रहेगा। इस बार फेस्टिवल को लेकर दुनिया भर के निर्देशकों में इतना भारी उत्साह है कि कुल 1459 अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं जिनमें से कड़ी विधिक स्क्रीनिंग के बाद 346 बेहतरीन फिल्मों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महाराष्ट्र फिल्म स्टेज एंड कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की प्रबंध निदेशक स्वाति म्हासे पाटिल ने भी शिरकत की। उन्होंने गर्व से बताया कि मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अब एशिया का सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित मंच बन चुका है जो गैर फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्मों और एनिमेशन आधारित फिल्मों को एक वैश्विक विधिक पहचान देता है। इस बार के फेस्टिवल को खास बनाने के लिए पहली बार इसमें %आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिनेमा हेाकाथॉन% का समावेश किया गया है जो आधुनिक तकनीक और सिनेमा के अनूठे संगम को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

15 जून को होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह के बाद ओपनिंग फिल्मों के रूप में कनाडा के निर्देशक कॉडेल बाकर की एनिमेशन फिल्म गुड लक टू यू ऑल, चेक रिपब्लिक की शॉर्ट फिल्म नो फिल्टर, अमेरिका की हडना और स्विट्जरलैंड की प्रसिद्ध डॉक्यूमेंट्री आई लव यू आई लीव यू का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जाएगा। इस बार कुल 346 फिल्मों को 24 विशेष क्यूरेटेड विधिक खंडों में विभाजित किया गया है जिसमें ऑस्कर विजेता फिल्मों, बसुन नेक्स्ट वेव, मोजेक, बेस्ट ऑफ फेस्ट और एनएफडीसी शोकेस मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके साथ ही पहली बार वैश्विक मंच पर देश की सांस्कृतिक विरासत को दिखाने के लिए मराठी सिनेमा और पूर्वोत्तर भारत की फिल्मों का एक विशेष सेगमेंट भी तैयार किया गया है।

महान पर्यावरणविद और फिल्मकार डेविड एटनबरो को मिलेगा शताब्दी सम्मान

इस वर्ष के महोत्सव की सबसे बड़ी हाइलाइट (विशेषता) यह रहेगी कि विश्व विख्यात प्राकृतिक इतिहासकार और महान वृत्तचित्र निर्माता डेविड एटनबरो को उनकी अनूठी विधिक और सिनेमाई सेवाओं के लिए विशेष शताब्दी सम्मान से नवाजा जाएगा। फेस्टिवल के दौरान उनकी दो सबसे कालजयी फिल्मों का विशेष विधिक प्रदर्शन भी किया जाएगा। एनएफडीसी परिसर के मुख्य सभागारों के अलावा मुंबई के दादर स्थित रवींद्र नाट्य मंदिर, सेंट पॉल इंस्टीट्यूट और उषा प्रवीण गांधी कॉलेज ऑफ आर्ट्स में भी फिल्मों की स्क्रीनिंग लगातार की जाएगी जिसमें देश भर से आए फिल्म समीक्षक, छात्र और कला प्रेमी हिस्सा लेंगे।

मालदीव के समंदर में कियारा आडवाणी ने लगाया

ग्लैमर का हॉट तड़का सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों देखकर फैस के उड़े होश

मुंबई। बॉलीवुड की गॉसिप क्वीन और सबसे ग्लैमरस अभिनेत्रियों में शुमार कियारा आडवाणी इन दिनों बड़े पर्दे से दूर समंदर की लहरों के बीच अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर रही हैं। कियारा अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इन दिनों मालदीव में एक सीक्रेट वेकेेशन (छुट्टियां) मना रही हैं। शनिवार सुबह कियारा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर अपने इस वैकेेशन की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरों शेयर की हैं, जिन्होंने इंटरनेट का तापमान एकाएक बढ़ा दिया है। तस्वीरों में कियारा का किलर लुक और कातिलाना अंदाज देखकर उनके फैस के होश उड़ गए हैं।



शेयर की गई तस्वीरों में कियारा आडवाणी समंदर के बीचों-बीच एक आलीशान यॉट पर ससेट का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने एक बेहद बोल्ड ऑरेंज कलर की डिजाइनर बिकिनी और मैचिंग ब्रा पहना हुआ है, जिसमें उनका परफेक्ट टॉड फिगर और ग्लोइंग स्किन साफ तौर पर दिखाई दे रही है। बिना किसी हैवी मेकअप के बिखरे हुए बालों और स्टाइलिश सनग्लासेज के साथ कियारा ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग पोज दिए हैं। इन तस्वीरों के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा है कि समंदर की लहरें, डूबता सूरज और मेरा सुकून। कियारा की इन हॉट तस्वीरों के पोस्ट होते ही डिजिटल मीडिया पर जैसे कमेंट्स और लाइक्स की बाढ़ आ गई है। महज एक घंटे के भीतर ही इस पोस्ट पर एक मिलियन से ज्यादा लाइक्स और हजारों री-ट्वीट आ चुके हैं। उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी इस पोस्ट पर दिल और फायर वाले इमोजी बनाकर अपनी पत्नी के इस लुक की जमकर तारीफ की है। वहीं दूसरी ओर फैस कमेंट बॉक्स में जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक फैन ने लिखा है कि ताजमनरी आगरा की इस रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से भी ज्यादा हॉट कियारा का यह अंदाज है। वर्क फंट की बात करें तो कियारा जल्द ही साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ अपनी बड़ी विधिक एक्शन फिल्म गेम चेंजर और ब्रह्मक रोशन के साथ वॉर 2 में एक बेहद बोल्ड और ग्लैमरस विधिक किरदार में नजर आने वाली हैं।



कंतारा चैप्टर 1 का पहला लुक देखकर उड़े फैस के होश

मुंबई। वर्ष 2022 में बॉक्स ऑफिस पर कमाई के सारे ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने वाली और भारतीय सिनेमा में अपनी अनूठी संस्कृति का झंका बजाने वाली फिल्म कंतारा के अगले भाग का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए शनिवार की सुबह एक बहुत बड़ा और चमकीला सरप्राइज लेकर आई है। फिल्म के मुख्य अभिनेता, लेखक और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने अपनी महात्वाकांक्षी फिल्म कंतारा चैप्टर 1 का पहला बेहद खौफनाक और चमचमाता लुक आधिकारिक रूप से सोशल मीडिया पर जारी कर दिया है। पहले लुक के सामने आते ही सिनेमा प्रेमियों के बीच खलबली मच गई है और इसे अब तक का सबसे दमदार विजुअल ट्रीट बताया जा रहा है। ऋषभ शेट्टी इस बार कंतारा की कहानी को आगे बढ़ाने के बजाय दर्शकों को इसके इतिहास में ले जा रहे हैं यानी यह एक प्रीक्वल फिल्म होने वाली है जो कंतारा के जनम और उसके विधिक पौराणिक रहस्यों की परतों को खोलेगी। जारी किए गए लुक में ऋषभ शेट्टी का एक बिल्कुल अलग और रौद्र रूप दिखाई दे रहा है। उनके लंबे बिखरे हुए बाल, शरीर पर मली हुई भस्म, गले में रूद्राक्ष की माला और हाथों में एक विशाल विधिक त्रिशूल उनके कैरेक्टर की गंभीरता को साफ तौर पर बयां कर रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

दूसरे दिन फैस के हुजूम से खचाखच भरे रहे सभी स्टेडियम अपने पहले ही मुकाबले में मेजबान अमेरिका और कनाडा ने दागे ताबड़तोड़ गोल

एजेंसी

टोरंटो। दुनिया के सबसे लोकप्रिय और बड़े खेल महाकुंभ यानी फीफा वर्ल्ड कप 2026 के महामुकाबलों का रोमांच अब अपने चरम पर पहुंच गया है। टूर्नामेंट के दूसरे दिन फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा मुकाबला देखने को मिला जहां सह-मेजबान देशों यानी अमेरिका और कनाडाई टीमों ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने विजयी आगाज करते हुए फुटबॉल पिच पर पूरी तरह से तहलका मचा दिया। शुक्रवार देर रात खेले गए इन बेहद रोमांचक ग्रुप स्टेज मैचों में अमेरिका ने जहां परागवे की मजबूत टीम को एकतरफा मुकाबले में धूल चटा दी, वहीं दूसरी ओर कनाडाई टीम ने बोस्निया एंड हर्जोगोविना के खिलाफ अपनी विधिक रणनीति का लोहा मनवाते हुए शानदार जीत दर्ज की।

टोरंटो स्टेडियम में खेले गए कनाडा बनाम बोस्निया एंड हर्जोगोविना के मुकाबले में कनाडाई टीम शुरुआत से ही आक्रामक विधिक फॉर्म में नजर आई। टोरंटो के इस विशाल स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही दर्शकों का ऐसा हुजूम उमड़ा कि पूरा स्टेडियम लाल और सफेद रंग के झंडों से पट गया। कनाडाई फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने मैच के पहले हाफ में ही बोस्निया के विधिक डिफेंस को पूरी तरह से भेदते हुए बैक टू बैक दो गोल दागकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली। दूसरे हाफ में बोस्नियाई टीम ने वापसी की कुछ कोशिशें जरूर कीं, लेकिन कनाडाई गोलकीपर की मुस्तेदी के आगे उनकी एक न चली और कनाडा ने यह मुकाबला अपने नाम कर वर्ल्ड कप में तीन महत्वपूर्ण विधिक अंक हासिल कर लिए।

मेजबान अमेरिका ने परागवे को चटाई धूल, फैस ने मनाया जबरदस्त जश्न वहीं दूसरी ओर सह-मेजबान देश अमेरिका ने अपने पहले ही ग्रुप मैच में परागवे के खिलाफ ऐतिहासिक और आक्रामक फुटबॉल का प्रदर्शन किया। मैच के शुरुआती मिनटों से ही अमेरिकी मिडफील्डर ने गेंद को अपने नियंत्रण में रखा और शॉर्ट पासिंग गेम के जरिए परागवे के डिफेंडर्स को पूरी तरह थका दिया। अमेरिकी स्ट्राइकर ने मैच के 35 वें मिनट में डी बॉक्स के भीतर से एक ऐसा कड़क और



किलर शॉट जमाया कि परागवे का गोलकीपर हवा में गोता लगाने के बाद भी गेंद को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहा। इस शानदार गोल के साथ ही पूरा अमेरिकी स्टेडियम जश्न के मारे झूम उठा। फीफा की विधिक रेफरी कमेटी के अनुसार सभी

मैच बिना किसी फाउल या विधिक विसंगति के पूरी निष्पक्षता से संपन्न हुए। दोनों मेजबान देशों की इस धमाकेदार शुरुआत से अब नॉकआउट स्टेज की रेस बेहद रोमांचक हो गई है।